दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 290/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

भोपाल, शनिवार 31 मई 2025 भोपाल से प्रकाशित | संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल | ■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14 | dainiksandhyaprakash.in

आतंकियों ने नारी शक्ति को चुनौती दी थी, सिंदूर भारत के शौर्य का प्रतीक बना

पाक को गोली का जवाब गोले से मिलेगा: मोदी

पीएम मोदी ने किया इंदौर मेट्रो व दतिया और सतना एयरपोर्ट का वर्चुअल लोकार्पण

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा आतंकियों ने नारी शक्ति को चुनौती दी थी। यही चुनौती उनके और उनके आकाओं को लिए काल बन गई। हमारी सेना ने दुश्मन के घर में सैकड़ों किमी दूर घुसकर उनके आतंकी ठिकानों को तबाह किया। ऑपरेशन सिंदूर भारत के इतिहास में अब तक का

सबसे बड़ा सफल ऑपरेशन है। पीएम ने भोपाल में देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर आयोजित महिला सशक्तीकरण महासम्मेलन में कहा कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर, ये नाम सुनकर ही मन में श्रद्धा का भाव उमड़ पड़ता है। उनके महान व्यक्तित्व के बारे में बोलने के लिए शब्द कम पड़ जाते हैं। पीएम मोदी ने किया इंदौर मेट्रो व दतिया और सतना एयरपोर्ट का वर्चुअल लोकार्पण किया। साथ ही प्रदेश में 1271 नए अटल ग्राम सेवा सदन (पंचायत भवन) निर्माण के लिए प्रथम किस्त के अंतर्गत रुपए 483 करोड़ का वर्चुअल अंतरण भी किया।

साथ ही उन्होंने कहा कि देवी अहिल्या भारत की विरासत की बहुत बड़ी संरक्षक थीं। जब देश की संस्कृति, मंदिरों पर हमले हो रहे थे, तब लोकमाता ने उनको संरक्षित करने का वीणा उठाया। देश में कई मंदिरों-तीर्थों का पुनर्निर्माण किया। उन्होंने कहा कि ये सभी प्रोजेक्ट मप्र में सुविधाएं बढ़ाएंगे, विकास को गति देंगे और रोजगार के नए अवसर बनाएंगे। इस पवित्र दिवस पर विकास के इन सारे कामों के लिए पूरे प्रदेश को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। पीएम मोदी ने कहा देवी अहिल्या जी ही थीं, उन्होंने महिलाओं का भी संपत्ति में अधिकार हो, जिनके पति की असमय मृत्यु हो गई हो, वो फिर विवाह कर सकें। उस कालखंड में ये बातें करना भी बहुत मुश्किल लगता था। लेकिन अहिल्याबाई ने इन समाज सुधारों को भरपूर समर्थन दिया। उन्होंने मालवा की सेना में महिलाओं की एक विशेष टुकड़ी भी बनाई थी। ये पश्चिम की दुनिया के लोगों को पता नहीं है। हमें कोसते रहते हैं। हमारी माताओं-बहनों के अधिकारों के नाम पर हमें नीचा दिखाने की कोशिश करते हैं।

अहिल्या माता के सुशासन के आधार पर ही पूरा शासन तंत्र चल रहा है: सीएम यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि दुनिया के सबसे बड़े गणतंत्र के नायक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मां अहिल्याबाई होल्कर की पावन धरा पर पधारे हैं। हमारे लिए आज का दिन अद्वितीय है। अहिल्या महारानी का जन्म 300 वर्ष पूर्व हुआ। उन्होंने एक आदर्श बहू और आदर्श पत्नी रहते हुए शासन चलाया। मां अहिल्या ने घर के धन और शासन के धन का अंतर बताया। उनके कार्यकाल को देखा जाए तो आज अहिल्या माता के सुशासन के आधार पर ही पूरा शासन तंत्र चल रहा है। मध्यप्रदेश में विगत 500 साल के काल पर नजर डालें तो गोंडवाना की रानी अवंती बाई ने तीन बार अकबर को धूल चटाई थी। इसी प्रकार रानी दुर्गावती ने भी मुगलों के सामने कभी आत्मसम्मान से समझौता नहीं किया। ग्वालियर की राजमाता सिंधिया ने भी भारतीय लोकतंत्र को मजबूत किया। प्रधानमंत्री ने इंदौर की सुमित्रा ताई को लोकसभा अध्यक्ष की जिम्मेदारी देकर प्रदेश का मान बढ़ाया। आज राष्ट्रपति भी एक महिला हैं। अहिल्या माता के जन्म जयंती के अवसर पर पूरे देश में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना ने आतंकी सरकार और आतंकवादियों को धूल चटाई । पूरा देश आपका अभिनंदन कर रहा है। जिन आतंकियों ने बहनों का सिंदूर उजाड़ने का काम किया, उन्हें सबक सिखाया है। उन्होंने कहा कि भारत ने जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की उपलब्धि हासिल की है। मध्यप्रदेश सरकार गरीब, किसान, युवा और नारी सहित हर वर्ग के कल्याण के लिए केंद्र सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत एक दिन दुनिया में शिखर पर पहुंचेगा।

बेटियों का शौर्य पूरी दुनिया देख रही है

आपरेशन सिंदूर हमारी नारी शक्ति के सामर्थ्य का प्रतीक बना है। हम सभी जानते हैं कि बीएसएफ का ऑपरेशन में बहुत बड़ा रोल रहा है। कश्मीर से गुजरात तक बीएसएफ की बेटियां मोर्चा संभाल रहीं थी। उन्होंने सीमा पार से हो रही है फायरिंग की जवाब दिया है। बीएसएफ की वीर बेटियों ने अद्भुत शौर्य दिखाया है।

हमारी सेना ने दुश्मन के घर में घुसकर मारा

पीएम मोदी ने कहा कि आतंकियों ने नारी शक्ति को चुनौती दी थी। यही चुनौती उनके और उनके आकाओं को लिए काल बन गई। हमारी सेना ने दुश्मन के घर में सैकड़ों किमी दूर घुसकर उनके आतंकी ठिकानों को तबाह किया। ऑपरेशन सिंदूर भारत के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा सफल ऑपरेशन है।

पीएम मोदी खुली जीप में कार्यक्रम स्थल पहुंचे

पीएम मोदी खुली जीप में कार्यक्रम स्थल पहुंचे। इस दौरान हाथ जोड़कर महिलाओं का अभिवादन किया। इसके बाद प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर ही आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने महिला बुनकर और ड्रोन दीदी से बात भी की।

देवी अहिल्याबाई होलकर को समर्पित डाक टिकट और सिक्का जारी किया

प्रधानमंत्री मोदी ने छत्तीसगढ़ की जनजातीय कलाकार डा. जयमती कश्यप को राष्ट्रीय देवी अहिल्या सम्मान से सम्मानित किया । प्रधानमंत्री मोदी ने लोकमाता देवी

अहिल्याबाई होलकर को समर्पित डाक टिकट और सिक्का जारी किया। दतिया और सतना एयरपोर्ट का लोकार्पण तथा इंदौर मेट्रो का शुभारंभ भी किया। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रदेश में 1271 नए अटल ग्राम सेवा सदन (पंचायत भवन) निर्माण के लिए प्रथम किस्त के अंतर्गत रुपए 483 करोड़ का वर्चुअल अंतरण भी किया।

अहिल्याबाई पर केंद्रित प्रदर्शनी का अवलोकन किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर के 300 वें जन्म जयंती वर्ष के अवसर पर महिला सशक्तीकरण महासम्मेलन में लोकमाता देवी अहिल्याबाई पर केंद्रित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। लोकमाता अहिल्या द्वारा सुशासन, महिला स्वावलंबन, धार्मिक स्थलों के उन्नयन के लिए संचालित गतिविधियों को यहां प्रदर्शित किया गया है। इसके साथ ही देवी अहिल्या पर केंद्रित पुस्तकें और शोध पत्र भी यहां प्रदर्शित हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने हथकरघा-हस्तशिल्प को समर्पित महिलाओं और ड्रोन दीदी से संवाद किया । प्रधानमंत्री ने प्रदेश में महिला सशक्तीकरण के लिए जारी गतिविधियों, ग्रामीण आवास योजना ,ग्रामीण पर्यटन, कृषि आदि क्षेत्र में महिलाओं द्वारा की जा रही पहल और ग्रामीण व नगरीय निकायों में महिला प्रतिनिधित्व के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रदर्शनी में प्रदेश में अधो संरचना विकास के अंतर्गत संचालित गतिविधियों, धार्मिक लोकों के विकास, सहित राज्य की अन्य विकासोन्मुखी नवाचारों का भी अवलोकन किया।

कर्म-कर्तव्य का पालन, मुश्किल में भी स्थिर रहने का हुनर था, अहिल्या बाई ने गद्दी संभाली तो युद्ध भी लड़े

भोपाल। देवी अहिल्या बाई होलकर का जीवन समाज, संस्कृति और राष्ट्र के लिए समर्पित रहा। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व अनमोल है। उन्हें समाज ने पुण्य-श्लोका, लोकमाता, मातोश्री, न्यायप्रिया, प्रजावत्सला, राजमाता से संबोधित किया। यह संबोधन समाज का उनके प्रति सम्मान था। उनकी कार्य शैली, व्यवहार, कर्म-कर्तव्य का पालन, मुश्किल स्थिति में भी स्थिर रहने का हुनर...सब कुछ अद्भुत था। वक्त आने पर वे सही फैसला लेती थीं। संकल्प की दृढ़ता के साथ प्रशासनिक कौशल मानो उन्हें वरदान में मिला। रानी अहिल्या बाई ने जिस तरह सिंहासन संभाला, वह अद्भुत है। जिस तरह शंकराचार्य जी ने चारों दिशाओं में चार मठों की स्थापना कर सनातन संस्कृति को पुनर्स्थापित किया। वैसे ही देवी अहिल्या बाई ने पूरब से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक विखंडित मान बिंदुओं को स्थापित किया। देशभर में सांस्कृतिक गौरव की प्रतिष्ठा की। देवी अहिल्या बाई का जन्म 31 मई 1725 को महाराष्ट्र के तत्कालीन अहमदनगर (अब अहिल्या नगर) जिले के चौंडी गांव में हुआ था। ग्रामीण पृष्ठभूमि में साधारण परिवार में जन्मी अहिल्या बाई अपनी प्रतिभा और क्षमता से विशेष बनीं। मात्र आठ वर्ष की उम्र में वे राजवधु बनकर इंदौर आ गईं।

उनका पूरा जीवन विषमता से भरा रहा

अहिल्या बाई को दोनों परिवारों से स्नेह, संबल और संस्कार मिले, लेकिन उनका पूरा जीवन विषमता से भरा रहा। वे केवल 29 वर्ष की थीं, तभी पति महाराज खांडेराव वीरगति को प्राप्त हो गए।1766 में पितृवत स्नेह देने वाले मल्हार राव होलकर का निधन हो गया। इसके बाद पुत्र मालेराव का निधन और फिर दोहित्र का निधन। फिर दामाद का निधन और बेटी का सती होना। उन पर मानो दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। उन्होंने किसी तरह अपने आप को संभाला और इंदौर (मालवा) रियासत को को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। मां अहिल्या बाई ने राज्य को भगवान शिव को अर्पित कर दिया। स्वयं को केवल निमित्त माना। वे कहती थीं कर्ता भी शिव, कर्म भी शिव, क्रिया भी शिव और कर्मफल भी शिव। वे राज्य के आदेश पर अपने हस्ताक्षर नहीं करती थीं।

इस तरह चुना अपना दामाद

दरअसल, इसके पीछे रोचक दास्तां है। अहिल्या बाई ने जब शासन संभाला, तब राज्य में अराजकता का माहौल था। उन्होंने घोषणा की कि जो भी नायक आंतरिक अपराधों को नियंत्रित करके शांति स्थापित करेगा, उससे वे अपनी बेटी की शादी करेंगी। नायक यशवंत राव फणसे ने यह चुनौती स्वीकार की और अपराधों पर लगाम लगाई। इसके बाद रानी ने सैन्य भर्ती अभियान चलाया। एक आंतरिक सुरक्षा के लिए और दूसरा बाहरी युद्ध के लिए। उन्होंने घुमंतू समाज के लोगों और भीलों को सेना में भर्ती किया। इस तरह कल तक जो दल अपराध समूह में थे, वे अब गांवों की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। इससे शांति व्यवस्था बनी।

महिलाओं का जीवन संवारने क्रांतिकारी फैसले

देवी अहिल्या बाई नारी सम्मान और सुरक्षा को लेकर संवेदनशील थीं। उन्होंने महिलाओं की एक सैन्य टुकड़ी बनाई। महिलाओं के सम्मान और आत्मनिर्भरता के लिए क्रांतिकारी फैसले लिए। महिलाओं को संपत्ति में अधिकार, विधवा को दत्तक पुत्र लेने का अधिकार और विधवा पुनर्विवाह के अधिकार दिए। यही नहीं, वे पर्यावरण प्रेमी भी थीं। महेश्वर में किले के निर्माण के लिए उन्होंने पर्वत को तोड़ने नहीं दिया। इसके लिए उन्होंने नर्मदा किनारे मैदान में पड़े पत्थरों का उपयोग किया। महेश्वर किले के निर्माण में जितने पेड़ हटे, उतने पेड़ लगाए गए। नर्मदा क्षेत्र में नींबू, कटहल, आम, बरगद आदि वृक्ष लगाये, इससे भूमि का जलस्तर बढ़ा और फसलों को फायदा हुआ। अहिल्या बाई ने अपने राज्य के साथ देश के सांस्कृतिक गौरव की पुनर्प्रतिष्ठा की। उन्होंने तीर्थ स्थलों को संवारा। देश के करीब 130 तीर्थ स्थलों और नदियों के घाट बनवाए। मंदिरों में शिक्षा केन्द्र, व्यायाम शालाएं और अन्न क्षेत्र शुरू किए। 30 मंदिरों में संत

आरोपी पर कड़ी कार्रवाई की मांग

अभाविप ने टीआईटी कॉलेज में छात्राओं के यौन शोषण के खिलाफ किया प्रदर्शन

भोपाल। रायसेन रोड स्थित टीआईटी पिपलानी कॉलेज में छात्राओं के साथ यौन शोषण और उत्पीड़न के गंभीर आरोप सामने आने के बाद, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने टीईटी कॉलेज में जोरदार प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने करीब दो घंटे तक नारेबाजी करते हुए कॉलेज प्रशासन द्वारा दोषी पर तत्काल कानूनी कार्रवाई की माँग की। अभाविप ने प्रदर्शन के बाद कॉलेज प्रशासन और थाना प्रभारी पिपलानी को ज्ञापन सौंपा, जिसमें कहा गया कि पीड़ित छात्राओं के बयानों के आधार पर तत्काल एफआईटार दर्ज की जाए। आरोपी डायरेक्टर अरुण पांडे को निलंबित कर गिरफ्तार किया जाए। मामले की निष्पक्ष, समयबद्ध और उच्चस्तरीय जाँच कराई जाए। छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए और उन्हें मानसिक परामर्श उपलब्ध कराया जाए।

अभाविप महानगर मंत्री शिवम् जाट ने कहा टीआईटी कॉलेज में छात्राओं के साथ लगातार हो रहा यौन उत्पीड़न अब सहन नहीं किया जाएगा। यदि प्रशासन ने शीघ्र कार्रवाई नहीं की तो अभाविप को बड़ा आंदोलन करना पड़ेगा। यह सिर्फ टीआईटी की बात नहीं है, यह पूरे शिक्षा जगत की सुरक्षा और गरिमा का सवाल है। अभाविप महानगर सहमंत्री आरती ठाकुर ने कह महिला छात्राओं की सुरक्षा से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हम कॉलेज और पुलिस प्रशासन से माँग करते हैं कि आरोपी पर तुरंत कार्रवाई की जाए और छात्राओं को सुरक्षित माहौल दिया जाए। अभाविप कॉलेज अध्यक्ष राज सिंह ने कहा कॉलेज के डायरेक्टर पर लगे गंभीर आरोप पूरी छात्र बिरादरी के लिए शर्मनाक हैं। अभाविप हर पीड़ित बहन के साथ खड़ी है और हम इस संघर्ष को न्याय मिलने तक जारी रखेंगे। विद्यार्थी परिषद ने स्पष्ट किया कि संगठन छात्राओं के अधिकारों और गरिमा की रक्षा के लिए हरसंभव कदम उठाएगा, और यह आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक दोषियों को सज़ा और पीड़िताओं को न्याय नहीं मिल जाता।

वानी हमारे चरित्र का निर्माण करती: संत सांवरिया गुर्जर

भोपाल। सत श्री सांवरिया गुर्जर ने भगवान देवनारायण कथा में विवाह प्रसंग सुनाया और कहा कि वानी हमारे चरित्र का वर्णन करती है इसलिए हमें ऐसी वाणी बोलनी चाहिए जो सबको आपना बना ले अवधपुरी कुठार धाम में चल रही श्री देवनारायण कथा में छटवे दिन ये प्रसंग सुनाया उन्होंने भगवान देवनारायण कथा अन्य कई लीलाओं का वर्णन किया।

सोशल मीडिया के जिंदगी पर पड़ते दुष्प्रभावों पर आधारित शॉर्ट फिल्म बनाई

भोपाल। आजकल सोशल मीडिया में रेल बनाने का प्रचलन बहुत ही तेजी से बढ़ रहा है मगर इसके दुष्प्रभाव भी हमें देखने को मिलते हैं इसी पर आधारित जिंदगी हमें कैसे जीना है को लेकर रेल वर्सेस रियल लाइफ पर आधारित शॉर्ट फिल्म बनाई गई है यह फिल्म तिवारी प्रोडक्शन लेखक निर्देशक भानु प्रकाश तिवारी द्वारा एक जनता को संदेश भारी 10 मिनट की शॉर्ट फिल्म दिखाई गई जिसमें हमें इस फिल्म के माध्यम से हमारी जिंदगी में जो हम दिख रहे हैं वही जीत भी रहे हैं यह शॉर्ट फिल्म भोपाल में फिल्माई गई है जिसमें मुख्य किरदार भानु प्रकाश तिवारी वर्षा मिश्रा और नरेंद्र साहू ने इसमें अपनी अहम भूमिका निभाई भानु प्रकाश तिवारी रंगमंच और अभिनय की दुनिया का जाना पहचाना नाम भी बताया जाता है 1981 से निरंतर रंग कर क्षेत्र में यह सक्रिय दिखाई देते हैं इनमें कहानी नाटक ही लिखे और करें कोमल गंधार जादू जंगल अमरू और कई नाटकों में अपनी भूमिका जीवन किया है इसके अलावा इन्होंने दूरदर्शन और आकाशवाणी में अपने कार्यक्रमों को दर्शकों तक पहुंचा है रेल वर्सेस रियल लाइफ में जिंदगी कैसे जीना है तरीके से समझाया गया है। यह फिल्म दर्शकों को यूट्यूब चैनल के माध्यम से दिखाई जाएगी निर्देशक भानु प्रकाश तिवारी ने फिल्म के माध्यम से जीवन के कई रोचक तथ्य बताए गए हैं इसे अवश्य देखें।

कांग्रेस नेता शुक्ला दिव्यांग के साथ पहुंचे बिजली कार्यालय, लगाए आरोप

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में बिजली कंपनी की मनमानी लगातार सामने आ रही है। मनमर्जी की बिलिंग करने पर जब उपभोक्ता द्वारा बिल जमा नहीं किया जा रहा है और शिकायत की जाती है तो उपभोक्ता को ही बिजली चोर साबित कर दिया जाता है। भोपाल के सेठी नगर में रहने वाले दिव्यांग राजा खान के साथ ऐसा ही हुआ। बिजली कंपनी ने पहले उनके घर बहुत ज्यादा राशि का बिजली बिल भेज दिया। जब आपत्ति की गई और ऊर्जा का उपयोग जारी रखा गया तो उन्हें बिजली चोर साबित कर दिया गया। बिजली कंपनी द्वारा किए जा रहे अत्याचार की जानकारी मिलने के बाद कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला अपने साथियों के साथ बिजली दफ्तर अधिकारियों से मिलने पहुंचे। शुक्ला ने बताया कि सेठी नगर के दिव्यांग राजा खान के मकान का बेबुनियाद बिजली बिल भेजने पर जब बिल जमा नहीं किया तो बिजली कंपनी ने उनका बिजली चोरी का प्रकरण बना दिया। कांग्रेस नेता शुक्ला ने कार्यकर्ताओं के साथ दिव्यांग को गोदी में बिठाकर ए सी कार्यालय पहुंचकर पीड़ित को टेबल पर बैठाकर न्याय की मांग की। शुक्ला ने आरोप लगाया कि लंबे समय से दिव्यांग सेठी नगर निवासी राजा खान के अवैध बिजली के बिल को लेकर कोई सुनवाई नहीं की जा रही थी। मजबूरी में जब दिव्यांग ने बिजली का उपयोग करना शुरू कर दिया तो चोरी का प्रकरण बना दिया गया है जो की अमानवीय है।

कांग्रेस ने इस मनमानी पर एसी परिहार से जवाब मांगा है। शुक्ला ने कहा कि अगर बिजली विभाग द्वारा बनाए गए झूठे प्रकरणों की सही से जांच कर उनका निराकरण नहीं किया गया तो वह जल्द ही इन सब समस्याओं का सभी पीड़ितों के साथ चीफ इंजीनियर कार्यालय का घेराव करेंगे। इस अवसर पर दीपक दीवान, मुजाहिद सिद्दीकी, विजेंद्र शुक्ला, अमित खत्री, संदीप सरवैया, तारिक अली आदि मौजूद थे।

स्कूल शिक्षा विभाग की समेकित छात्रवृत्ति योजना, 6 विभागों की 20 प्रकार की छात्रवृत्ति का वितरण

भोपाल। प्रदेश के विद्यालयों में कक्षा-1 से 12 तक पढ़ने वाले विद्यार्थियों को वर्तमान में 6 विभागों की लगभग 20 प्रकार की छात्रवृत्ति शिक्षा पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन स्वीकृत कर विद्यार्थी के खाते में भुगतान किये जाने की व्यवस्था है। राज्य में समग्र सामाजिक सुरक्षा मिशन के अंतर्गत समेकित छात्रवृत्ति योजना वर्ष 2013-14 से लागू की गयी है। इसके क्रियान्वयन के लिये स्कूल शिक्षा विभाग को नोडल विभाग निर्धारित किया गया है। योजना के अंतर्गत प्रत्येक विद्यार्थी का नाम समग्र यूनिक आईडी के आधार पर उसके स्कूल के डाइस कोड के साथ मेपिंग कर कक्षा और स्कूलवार नामांकन ऑनलाइन किये जाने का सिस्टम शिक्षा पोर्टल में एनआईसी के माध्यम से तैयार कराया गया है। प्रत्येक छात्र की प्रोफाइल, जिसमें जाति, माता-पिता का व्यवसाय, परिवार की वार्षिक आय, बीपीएल स्टेटस, छात्रावासी स्टेटस, गत वर्ष का परीक्षा परिणाम आदि जानकारियाँ, जो कि छात्रवृत्ति गणना करने के लिये आवश्यक होते हैं, उन्हें ऑनलाइन किया जाता है।

लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती की पूर्व पर हुआ भव्य आयोजन

भोपाल। गुरुनानक मंडल द्वारा पुण्यश्लोक लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर जी की 300वीं जयंती की पूर्व संध्या पर ईदगाह हिल्स भोपाल गेट पर 300 दीप प्रज्वलित किए गए और भोपाल गेट को तिरंगे से सजाया गया। देवी अहिल्या जी और ऑपरेशन सिंदूर की प्रदर्शनी पर पायरो और फायर शो किया गया एवं कल भोपाल पधार रहे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का स्वागत किया गया। इस अवसर पर सांसद आलोक शर्मा ने कहा, आज का यह आयोजन पुण्यश्लोक लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर जी के प्रति हमारी श्रद्धा और सम्मान का प्रतीक है। उनके जीवन और कार्यों से हमें प्रेरणा मिलती है और हमें उनके आदर्शों को अपनाने का संकल्प लेना चाहिए। मंडल अध्यक्ष राकेश कुकरेजा ने बताया कि कार्यक्रम उपस्थित लोगों ने अहिल्या बाई होल्कर जी के जीवन और योगदान को याद किया और उनके आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया।

फूलों की खेती ने किया आत्मनिर्भर, अब हो रही लाखों की आमदनी

भोपाल। कभी पारंपरिक खेती से सीमित आय अर्जित करने वाली ग्राम बरखेड़ा बोंदर की लक्ष्मीबाई आज फूलों की खेती से लाखों की आमदनी कर रही हैं। यह केवल एक आर्थिक परिवर्तन नहीं, बल्कि महिला सशक्तिकरण का सशक्त उदाहरण है।

लक्ष्मीबाई बताती हैं कि उनका परिवार वर्षों से धान, गेहूं और सोयाबीन की पारंपरिक खेती करता था। परंतु लागत अधिक और मुनाफा कम होने से परिवार आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहा था। इसी बीच उन्हें उद्यानिकी विभाग द्वारा संचालित संरक्षित खेती योजना की जानकारी मिली। वर्ष 2021-22 में उन्होंने राष्ट्रीय विकास परियोजना के अंतर्गत इस योजना का लाभ लेते हुए 3000 वर्गफीट क्षेत्र में पहला पॉलीहाउस बनवाया, जिसकी कुल लागत 25.32 लाख थी, जिसमें 12.66 लाख की अनुदान राशि सरकार द्वारा प्रदान की गई।

उनके फूलों की खेती विशेषकर गुलाब, जरबेरा और गेंदा ने उन्हें आर्थिक रूप से इतना मजबूत बना दिया कि आज उनके पास तीन पॉलीहाउस हैं और प्रतिदिन 3 से 4 हजार कट फ्लावर का उत्पादन होता है। इससे हर दिन ?10 से ?12 हजार और प्रति माह ?3 से ?4 लाख तक की आमदनी हो रही है। उनका गुलाब अब केवल भोपाल और इंदौर में ही नहीं, बल्कि अन्य राज्यों के महानगरों तक निर्यात हो रहा है। लक्ष्मीबाई कहती हैं मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी को हृदय से धन्यवाद देती हूँ। उनके द्वारा शुरू की गई योजनाओं ने हम महिलाओं को न सिर्फ आत्मनिर्भर बनाया, बल्कि समाज में एक नई पहचान भी दी है। आज मुझे गर्व है कि मैं एक किसान हूं, एक उद्यमी हूं और एक सशक्त महिला हूं।

लॉयन मनीष शाह मल्टीपल कौंसिल चेयर पर्सन निर्वाचित

भोपाल। लॉयन्स क्लब इंटरनेशनल के डिस्ट्रिक्ट पी. आर.ओ. लायन संजय गुप्ता एडवोकेट द्वारा बताया गया कि जोधपुर शहर में मल्टीपल कौंसिल चेयर पर्सन का चुनाव संपन्न हुआ। जिसमें डिस्ट्रिक्ट 3233 जी-2 के डिस्ट्रिक्ट गर्वनर लायन मनीष शाह निर्वाचित हुये। श्री गुप्ता ने बताया कि तीन प्रदेशों से मिलकर मल्टीपल बनी है एवं इसमें लगभग 40 वर्ष पूर्व परमानंद राजानी विजय हुये थे एवं लगभग 34 वर्ष पूर्व स्व. डॉ. एच.एस.कपूर निर्वाचित हुये थे एवं 34 वर्षों बाद डिस्ट्रिक्ट 3233 जी-2 के डिस्ट्रिक्ट गर्वनर निर्वाचित हुये हैं। श्री गुप्ता ने बताया कि एक माह पश्चात भारत को एक बहुत बड़ी सौगात मिलने वाली है, जब इंटरनेशनल प्रेसीडेंट के रूप में भारत के ए.पी. सिंह अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित होगें। मनीष शाह को बधाई देने वालों में मुख्य रूप से परमानंद राजानी, जयपाल सचदेवा, बी.सी.जैन, एम.के. जैन, मुकेश माथुर, जे.पी.एस. जौहर, अनिल बाखरू, डॉ. पी.सी.कोठारी, रवि सक्सेना इत्यादि है।

बीएचईएल अंतर इकाई एवं ऑल इंडिया पब्लिक सेक्टर खेलकूद प्रतियोगिताओं के किट अलॉउंस एवं भत्तों के रिविजन की मांग

भोपाल। बीएचईएल प्रतिनिधि यूनियन AIBEU-NFIT का एक प्रतिनिधिमंडल बीएचईएल भोपाल के मानव संसाधन प्रमुख संतोष कुमार गुप्ता से मिला एवं उनके माध्यम से बीएचईएल के निदेशक मानव संसाधन श्री कृष्ण कुमार ठाकुर को ज्ञापन सौपा गया। प्रतिनिधिमंडल में ऑल इंडिया बीएचईएल एम्प्लॉइज यूनियन संबद्ध निफ्टू की ओर से कार्यवाहक अध्यक्ष आशीष सोनी, कोषाध्यक्ष विशाल वाणी ,संगठन सचिव राजमल बैरागी,कार्यालय मंत्री योगेश देवस्कर एवं खेल सचिव मनीष सराठे उपस्थित हुये। ज्ञापन के माध्यम से आशीष सोनी ने बताया कि संपूर्ण बीएचईएल के कई कर्मचारी खिलाड़ी बीएचईएल कि विभिन्न अंतर इकाई खेलकूद प्रतियोगिता एवं ऑल इंडिया पब्लिक सेक्टर कि प्रतियोगिताओं में भाग लेते है एवं अपनी बीएचईएल इकाई का एवं बीएचईएल का नाम रोशन करते है। इसी विषयांतर्गत बीएचईएल मे परिपत्र संख्या 019/पीपीएक्स/2010 दिनाँक 04.05.2010 एवं परिपत्र संख्या 021/पीपीएक्स/2011 दिनाँक 27.07.2011 के द्वारा अंतिम बार बीएचईएल अंतर-इकाई खेलकूद प्रतियोगिता एवं ऑल इंडिया पब्लिक सेक्टर प्रतियोगिता मे कर्मचारियों की प्रतिभागिता के लिए किट एलाउंस एवं भत्तो का पुनरीक्षण किया गया था।

विद्युत विभाग के एई को दिया ज्ञापन, समस्या नहीं सुलझी तो विद्युत मंत्री का जलाएंगे पुतला

उपनगर सहित आसपास क्षेत्रों में बार-बार हो रही बिजली गुल, कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम नगर में विगत 6 माह से प्रतिदिन बिजली 3 घंटे से 6 घंटे तक दिन हो या रात कभी भी बंद हो जाती है। इससे आम लोगों को जिसमें खासकर बुजुर्ग एवं बच्चो का स्वास्थ्य पर असर पड़ रहा है। इससे व्यापारियों का कारोबार भी प्रभावित हो रहा है। बिजली जाने की वजह से लोगों की मानसिक परेशानियां बढ़ रही है। इसको लेकर शुक्रवार को ब्लॉक कांग्रेस ने बिजली कार्यालय के बाहर नारेबाजी की और विधुत विभाग के एई को ज्ञापन दिया।

ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि इसके पहले भी 30 जुलाई 2024 को एक ज्ञापन विधुत मण्डल को दिया गया था। ज्ञापन के माध्यम से नगर की समस्याओं से अवगत कराया गया था और विधुत विभाग के अधिकारियों द्वारा आश्वासन दिया गया था कि हम कुछ महीनो में नगर की सभी समस्याएं हल कर देंगे। जहां टंऊसफार्मर बदलेगा वहां ट्रांसफार्मर बदलेंगे जहां पर बिजली के तार और टंऊसफार्मरों के ढक्कन खराब है वो ढक्कन बदलेंगे एवं आवागमन के मार्ग पर जहां भी बिजली से संबंधित तार या पोल है उसका भी

रखरखाव करेंगे। जिससे आम जनता को करंट लगने से बचाया जा सके। परन्तु एक वर्ष बीतने के बाद भी संत नगर की समस्या वैसी की वैसी है और परेशानियां बढ़ गई। नगर के आसपास झुग्गी क्षेत्र और व्यापारियों के बढ़े हुए बिल आ रहे है जबकि शहर में लाइट 15 दिन ही मिल रही है।इ उन्होंने मांग करते हुए कहा कि नगर की विधुत सप्लाई लगातार उपभोक्ताओं को मिले और बार-बार शहर की लाइट न जाए। बढे हुए बिजली के बिल कम किए जाए। बरसात के पूर्व जो टंऊसफार्मर खराब एवं टूटे है जहां से आम जनता का लगातार आवागमन है ऐसे स्थानो को चिन्हित कर वहां से विधुत सप्लाई तार हटाया जाए जिससे आम नागरिक किसी भी प्रकार की घटना का शिकार न हो। अगर होता तो इसकी जिम्मेदारी विधुत विभाग की होगी। मीटर की रीडिंग समय पर न होने के कारण आम जनता का बिल बढ़कर आ रहा है। समय पर रीडिंग करवाई जाए। संत नगर के आसपास के क्षेत्रो में बैरागढ कलां, महाकाल कालोनी एवं अन्य कालोनियों में वोल्टेज कम आने की समस्या है जिससे ट्यूब वेल के द्वारा आम जनता को पानी भी नहीं मिल पा रहा है। जहां कम वोल्टेज की समस्या है इन समस्याओं का हल करे। कांग्रेसियों ने कहा कि अगर 15 दिन के अंदर इन समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो ब्लाक कांग्रेस कमेटी आम जनता के साथ विधुत मंत्री का पुतला जलाएगी एवं प्रदर्शन करेगी। प्रदर्शन करने वालों में वरिष्ठ कांग्रेसी नेता त्रिलोक दीपानी, उप ब्लाक अध्यक्ष घनश्याम लालवानी, सोनू तोमर, लीलाधर पंवार, जगदीश सांवले, आत्माराम सूर्यवंशी, प्रकाश वीधानी, अशोक मोतियानी, अशोक गोकलानी, अजीत फुलवानी, शम्मी गंगवाणी, मुश्ताक, साहिल खान, राजेश गौर, राज मनवानी, राजेश रघुवंशी, बबलु टेकचंदानी, इम्तियाज़ खां, गगन भार्गव, विष्णु मारन, ओम प्रकाश नामदेव, पूनम यादव, मोहनलाल कुकरेजा सहित कई उपस्थित थे।

राजधानी भोपाल के जंबूरी मैदान में आयोजित महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन की झलकियां....

संपादकीय

न्यूनतम समर्थन मूल्य से किसानों में उत्साह बढ़ता

सरकार ने चालू वित्तवर्ष में खरीफ फसल के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी की घोषणा कर दी है। हर वर्ष फसल की बुआई से पहले फसलों की एमएसपी घोषित की जाती है। इस वर्ष धान की फसल के लिए पिछले वर्ष की तुलना में न्यूनतम समर्थन मूल्य उनहत्तर रुपए प्रति क्विंटल बढ़ा दिया गया है। इसी तरह कुल चौदह फसलों का एमएसपी घोषित किया गया है, जिनमें दलहनी फसलें और मोटे अनाज शामिल हैं। सरकार का दावा है कि यह बढ़ोतरी उसके वादे के अनुरूप है, जिसमें उत्पादन लागत का कम से कम पचास फीसदी अधिक एमएसपी तय किया जाता है। इसके अलावा, ब्याज सबवेंशन योजना के तहत किसानों को खेती और बागवानी के लिए तीन लाख रुपए तक और कृषि सहायक उद्यमों जैसे पशुपालन और मछली पालन के लिए दो लाख रुपए तक का कर्ज रियायती दर पर उपलब्ध कराने की घोषणा की गई है। कहा जा रहा है कि इससे किसानों को काफी लाभ मिलेगा और कृषि क्षेत्र में सुधार नजर आएगा। पर इन घोषणाओं से किसान संगठन कितने खुश हो पाते हैं, देखने की बात होगी, क्योंकि वे लंबे समय से न्यूनतम समर्थन मूल्य में विसंगतियों और कृषि सुविधाओं में कमी के मुद्दे उठाते रहे हैं। किसानों की स्थिति बेहतर करने के मकसद से स्वामीनाथन समिति का गठन किया गया था, जिसने सुझाव दिया कि न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी का कानून बनना चाहिए। फिर, उत्पादन लागत में किसानों के पारिवारिक श्रम की कीमत भी जोड़ी जानी चाहिए। मौजूदा सरकार ने वादा किया था कि किसानों को उनकी फसलों की कीमत लागत की डेढ़ गुना तक दी जाएगी। मगर न्यूनतम समर्थन मूल्य के निर्धारण में किसानों के पारिवारिक श्रम की कोई कीमत नहीं आंकी जाती। फिर, बीज, खाद, कीटनाशक, सिंचाई आदि पर आने वाले खर्च को भी ठीक से नहीं आंका जाता, जिसकी वजह से लागत और अंतिम मूल्य में बहुत अंतर नहीं रह जाता। खासकर धान जैसी फसलों पर उत्पादन लागत अधिक बैठती है। फिर भी, न्यूनतम समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी से किसानों में फसल बोने को लेकर उत्साह बनता है। पर यह शिकायत आम है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य तय होने के बावजूद आढ़ती उस कीमत पर किसानों से फसलें नहीं खरीदते। ज्यादातर मामलों में उससे कम, बल्कि कई बार किसान काफी कम कीमत पर फसल बेचने को मजबूर होते हैं। इस पर रोक लगाने का कोई उपाय अभी तक नहीं किया गया है। इसीलिए एमएसपी की गारंटी का कानून बनाने की मांग जोर पकड़ती रही है। सरकार का वादा है कि वह किसानों की आय दोगुनी करेगी। इसके मद्देनजर कई योजनाएं भी चलाई गई हैं। किसान क्रेडिट कार्ड भी उसी में एक है। पर किसानों की दशा में कोई उल्लेखनीय सुधार नजर नहीं आ पा रहा, तो इसकी कुछ वजहें साफ हैं। एक तो, देश के अस्सी फीसदी से ऊपर सीमांत किसान हैं, जो किसी तरह अपने परिवार के गुजारे भर की फसल पैदा कर पाते हैं। दूसरे, जलवायु परिवर्तन की वजह से सूखा, बाढ़, तूफान आदि के कारण फसलों के चौपट होने का खतरा दिनोंदिन बढ़ता गया है। बढ़ती गर्मी के कारण उत्पादन पर भी असर पड़ा है। ऐसे में किसान कर्ज से मुक्त नहीं हो पाते। इसीलिए कृषि योजनाएं अपने मकसद तक नहीं पहुंच पातीं। वे अस्थायी राहत ही साबित होती हैं। कृषि संबंधी व्यावहारिक नीतियों की जरूरत बनी हुई है।

लोकमाता देवी अहिल्याबाईः सुशासन और महिला स्वावलंबन की प्रणेता

डॉ. मोहन यादव

पुण्यश्लोका देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जन्म जयंती अवसर पर शत-शत नमन...। आज भोपाल में लोकमाता देवी अहिल्याबाई महिला सशक्तीकरण महासम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इसका समूचा दायित्व मातृशक्ति संभाल रही हैं। इस महिला सशक्तीकरण और स्वावलंबन महोत्सव में माननीय यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी भोपाल पधार रहे हैं। मैं मध्यप्रदेश की साढ़े आठ करोड़ जनता की ओर से प्रधानमंत्री का आत्मिक स्वागत करता हूं। हमारे लिये सौभाग्य की बात है कि पुण्यश्लोका देवी अहिल्याबाई होलकर जयंती समारोह को आगामी एक वर्ष तक आयोजित किये जाने का शुभारंभ आज इस अवसर पर मध्यप्रदेश की धरती से किया जा रहा है इसके लिये माननीय प्रधानमंत्री जी का ह्दय से धन्यवाद। देवी अहिल्याबाई होलकर ने परिपूर्ण सुशासन व्यवस्था, स्वावलंबी, आत्मनिर्भर समरस समाज, सुरक्षित समृद्ध राज्य का एक आदर्श प्रस्तुत किया है। उन्होंने पूरब से पश्चिम तक और उत्तर से दक्षिण तक लगभग 130 विखंडित मंदिरों का जीर्णोद्धार तथा पुनर्निर्माण किया। नदियों पर घाट, धर्मशालाएं बनवाईं, अन्न सत्र प्रारंभ किये और पूजा-पाठ की स्थाई व्यवस्था की। देशभर में सांस्कृतिक गौरव की पुनर्प्रतिष्ठा की और देश को एक सूत्र में पिरोया। उनका शासनकाल, स्वर्ण काल होने के साथ राष्ट्र के सांस्कृतिक अभ्युदय का समय रहा है। लोकमाता देवी अहिल्याबाई ने महिलाओं के स्वावलंबन और सशक्तीकरण के लिए अभूतपूर्व कार्य किये। एक तरफ उन्होंने महिलाओं की सैनिक टुकड़ी बनाकर सुरक्षा की चौकस व्यवस्था की। वहीं, दूसरी ओर महिलाओं के सामाजिक सम्मान और आत्मनिर्भरता के लिए क्रांतिकारी निर्णय लिये। उन्होंने महिलाओं को संपत्ति में अधिकार, विधवा को दत्तक पुत्र लेने का अधिकार तथा विधवा पुनर्विवाह के अधिकार प्रदान किये और दहेज प्रथा पर रोक लगाने के नियम बनाये। सेना में बलिदान हुए सैनिकों की पत्नियों के लिये महेश्वर में महेश्वरी साड़ी उद्योग की स्थापना की और महिला समृद्धि का विश्व में कीर्तिमान स्थापित किया। उनके राज्य में होलकर राज्य सुराज, स्वराज, सुशासन, सुव्यवस्था, संपन्नता, विकास और निर्माण का आदर्श रहा। उन्होंने महेश्वर को शिल्प, कला, संस्कृति, शिक्षा, साहित्य, उद्योग और व्यापार का केन्द्र बनाया और देशभर में विस्तारित किया।

उनके शासनकाल में होलकर राज्य प्रभावी सूचना तंत्र, पंचायती राज, न्यायालय, सुरक्षा की चौकस व्यवस्था,

सशक्त सेना के साथ ग्रामीण तथा नगरीय नियोजन का उदाहरण बन गया। जीवनभर वे भगवान शिव और समाज के लिए समर्पित रहीं। समाज निर्माण और महिला सशक्तिकरण के लिए अहिल्याबाई होलकर ने जो कार्य किये, वे हमारी विरासत का गौरवपूर्ण हिस्सा हैं। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि मध्यप्रदेश सरकार देवी अहिल्याबाई होलकर के त्रि-शती जयंती वर्ष को समारोह पूर्वक आयोजित कर रही है। शौर्य और पराक्रम की प्रतीक लोकमाता अहिल्याबाई को समर्पित करते हुए विजयादशमी के त्योहार पर प्रदेश भर में शस्त्र पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। मध्यप्रदेश में उनके जीवन, कृतित्व और व्यक्तित्व पर आधारित विविध कार्यक्रम संपन्न हुए। इसमें कार्यशालाएं, व्याख्यान, संगोष्ठियां, नाट्य, महानाट्य प्रस्तुति आदि के श्रृंखलाबद्ध आयोजन हुए। हमने प्रयास किया कि बौद्धिक तथा सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से देवी अहिल्याबाई के कार्य, विचार और आदर्श समाज के बीच पहुंचे। अहिल्याबाई के व्यक्तित्व निर्माण, परिवार समन्वय, पर्यावरण संरक्षण, समाज निर्माण और राष्ट्र निर्माण के सूत्र समाज के सामने लाये गये। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को विश्व में सबसे समृद्ध और सशक्त राष्ट्र बनाने के लिये विकास के साथ विरासत का सूत्र दिया है। प्रधानमंत्री जी के इस सूत्र के अनुरूप ही हमने अपनी विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में प्रदेश की गौरवशाली विरासत को सहेजने और आदर्श महानायकों के व्यक्तित्व से समाज को प्रेरित करने का अभियान चलाया।

प्रदेश के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए हमने डेस्टिनेशन कैबिनेट की ऐतिहासिक पहल की है। यह पहल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पर्यटन को बढ़ावा देने की अवधारणा को धरातल पर साकार करती है। आधुनिक विकास के साथ अपनी गौरवशाली विरासत का स्मरण और आदर्श महानायकों से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने के उद्देश्य से हमने लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की स्मृति में दो कैबिनेट बैठकें कीं। पहली बैठक 24 जनवरी 2025 को महेश्वर के किले में और दूसरी बैठक 20 मई 2025 को इंदौर के राजवाड़ा में संपन्न हुई। पहली बैठक में प्रदेश के 19 पवित्र स्थलों में शराब बंदी लागू करने का निर्णय लिया। इस निर्णय से धार्मिक स्थलों की पवित्रता बनाये रखने के साथ महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक सशक्तीकरण को बल मिलेगा, वहीं दूसरी बैठक में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाने का फैसला लिया गया है। अहिल्याबाई होलकर ने महिला सशक्तीकरण को लेकर जो दिशा तय की थी, उसे आगे बढ़ाने का कार्य यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने किया है। हमने पुण्यश्लोका, लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के 300वें जन्म जयंती वर्ष में प्रधानमंत्री जी के गरीब, युवा, किसान और नारी (ळ्ड्ढ्ह) पर ध्यान के ध्येय मंत्र को सार्थक करने का प्रयास किया। इस मंत्र के चौथे स्तम्भ 'नारी' के समग्र विकास के लिये देवी अहिल्याबाई नारी सशक्तीकरण मिशन बनाकर कार्य आरंभ किया गया। इस मिशन से प्रदेश की नारी आत्मनिर्भर होंगी, उनके आर्थिक और सामाजिक विकास को गति मिलेगी। मिशन के प्रमुख उद्देश्यों में महिलाओं और बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, आर्थिक विकास एवं सुरक्षा, विभिन्न शासकीय सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना, महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन के लिए प्रयास करना शामिल है। मिशन के प्रमुख लक्ष्यों में बालिका लिंगानुपात में वृद्धि, बालिका शिक्षा में वृद्धि, मातृ मृत्युदर में कमी लाना, महिला अपराधों में कमी लाना, बाल विवाह रोकना, महिला श्रमबल में वृद्धि करना आदि समाहित है। देवी अहिल्याबाई ने महिला सशक्तिकरण, किसान कल्याण, समाज कल्याण और सुशासन की दिशा में जो मार्ग दिखाया है, मध्यप्रदेश सरकार उस पर चलकर समग्र विकास को चरितार्थ करने के लिये संकल्पित है। हमने लोकमाता देवी अहिल्याबाई के सिद्धांतों, उनके आदर्श को राज्य की नीति और निर्माण में शामिल करते हुए महिला नेतृत्व और सशक्तिकरण की दिशा में प्रभावी कदम बढ़ाए हैं। मध्यप्रदेश में महिला सशक्तीकरण के लिये विभिन्न स्तर पर प्रयास किये जा रहे हैं। महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। इससे महिलाओं को रोज़गार, स्वरोज़गार, स्वास्थ्य सेवाएं और सुरक्षा के मजबूत अवसर प्राप्त हो रहे हैं। विशेषकर लाड़ली बहना योजना, देवी अहिल्याबाई होलकर मिशन, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, लाड़ली लक्ष्मी योजना से महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। प्रदेश के सभी जिलों में वन स्टॉप सेंटर स्थापित किये गए हैं, महिला हेल्पलाइन और चाइल्ड हेल्पलाइन से सुरक्षा प्रदान की है। महिला श्रमिकों की सुरक्षा, सुविधा और सम्मान के उद्देश्य से वूमेन एंटरप्रेन्योर डेडिकेटेड इंडस्ट्री पार्क की स्थापना की गई। महिलाओं के स्वरोज़गार और कौशल विकास के लिए एमएसएमई नीति-2025 में महिला उद्यमियों को 50 प्रतिशत तक पूंजी अनुदान का प्रावधान किया गया। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि मध्यप्रदेश को विश्व की शीर्ष टूरिज्म डेस्टिनेशन माना गया है। हमने नवाचार करते हुए सेफ टूरिज्म डेस्टिनेशन फॉर वूमेन के तहत 10 हजार महिलाओं को पर्यटन सेवाओं के लिये प्रशिक्षित किया है।मुझे यह बताते हुए संतोष है कि मध्यप्रदेश, देश का पहला ऐसा राज्य है जिसमें शासकीय सेवाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण 33 प्रतिशत से बढ़ाकर 35 प्रतिशत कर दिया है।

प्रदेश में लाडो अभियान, शौर्या दल, मुख्यमंत्री महिला सशक्तीकरण योजना, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। सैनिटेशन एवं हाइजीन योजना से प्रदेश की 19 लाख बालिकाओं को आर्थिक संबल दिया गया है। प्रदेश में 18 लाख से अधिक महिलाओं, विधवा, परित्यक्ता और केवल पुत्री वाली माताओं को सामाजिक सुरक्षा पेंशन प्रदान की जा रही है। प्रदेश में महिलाओं को जन्म से लेकर जीवनपर्यन्त विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सुरक्षा, सम्मान और संबल प्रदान किया जा रहा है। प्रदेश की महिलायें आत्मनिर्भर और स्वावलंबी होकर नवाचार के साथ अपनी नई विकास गाथा लिख रही हैं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि महिलाओं की यह समृद्धि परिवार, समाज, प्रदेश और राष्ट्र को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी। लोकमाता अहिल्याबाई ने महिलाओं को सबल बनाने के लिए जो प्रयास किये हैं, वो निरंतरता और प्रगति के साथ मध्यप्रदेश की धरती पर आकार लेते हुए दिखाई दे रहे हैं।

पुनश्च पुण्यश्लोका, लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर को सादर नमन...।

(लेखक मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

मां अहिल्या से लाड़ली बहनों तक... मध्यप्रदेश में नारी सशक्तीकरण की स्वर्णिम परंपरा

विरासत भी, विकास भी, टेम्पो से मेट्रो पर आया अपना इंदौर

कैलाश विजयवर्गीय

भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरा पर यदि कोई शहर मां अहिल्या बाई होलकर जी की करुणा, नीति एवं लोक कल्याण की प्रेरणा से ओतप्रोत है, तो वह है अपना इंदौर। यह वही पावन भूमि है, जहां मां अहिल्या ने धर्म, न्याय तथा सेवा का ऐसा स्वर्णिम अध्याय रचा, जो आज भी शासन, प्रशासन और समाज के लिए पथप्रदर्शक है। 31 मई 2025 को यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर कमलों से मेट्रो ट्रेन की शुरुआत इंदौर की आत्मा को आधुनिकता के साथ जोड़ने की संकल्पना है।यह कितना सुंदर संयोग है कि इसी दिन रानी कमलापति की नगरी भोपाल के जंबूरी मैदान में महिला सशक्तीकरण महासम्मेलन का आयोजन भी हो रहा है, जिसे प्रधानमंत्री स्वयं संबोधित करेंगे। वहीं इस ऐतिहासिक अवसर पर मां शारदा की पावन भूमि सतना तथा मां पीताम्बरा की धरा दतिया को हवाई अड्डे की सौगात मिलेगी। यह सभी कार्यक्रम एक ही धागे से बंधे हैं...यानी विकास और विश्वास, गति और गौरव, परिवहन और परिवर्तन। इंदौर की विकास यात्रा टेम्पो से लेकर आज मेट्रो ट्रेन तक आ पहुंची है। सब कुछ कितनी तेजी से गुजर गया और अपना इंदौर अब मेट्रो शहर बन गया। शहर में मेट्रो की शुरुआत एक सुगम परिवहन सुविधा के साथ संपूर्ण जीवनशैली का परिवर्तन है। यह परियोजना इंदौर की स्वच्छता, अनुशासन और नवाचार की पहचान को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी। मेट्रो का प्रथम चरण यातायात की सुगमता, पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक समृद्धि के नए द्वार खोलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दूरदर्शी नेतृत्व में यह परियोजना मध्यप्रदेश को स्मार्ट स्टेट बनाने की दिशा में भी सशक्त कदम है।

जैसा कि कहा गया है...

शास्त्रेषु नगरस्य लक्ष्मणानि सप्त- स्वच्छता, जल व्यवस्था, परिवहन, नागरिक अनुशासन, पर्यावरण, सुरक्षा योजना एवं सांस्कृतिक चेतना। इंदौर मेट्रो इस सप्तम स्तंभ को और सशक्त करेगी। इंदौरवासियों की आकांक्षाओं को पंख देगी। यह न्यू अर्बन इंडिया की जीवंत मिसाल है, जो स्वच्छता के सिरमौर इंदौर को वैश्विक नगरीय गौरव के शिखर पर स्थापित करेगी।

नारी शक्ति अर्धांगिनी नहीं, समाज के उत्थान की अधिष्ठात्री

हमारी डबल इंजन की सरकार में महिला सशक्तीकरण केवल नीतियों का विषय नहीं, बल्कि सांस्कृतिक चेतना का पुनर्जागरण है। मां अहिल्या बाई होलकर इसकी प्रतीक हैं। उन्होंने राजसिंहासन पर बैठकर धर्म, न्याय तथा लोककल्याण की ऐसी मिसाल कायम की, जो आज भी प्रासंगिक है। उनके द्वारा निर्मित सैकड़ों घाट, समाज के वंचित वर्गों के लिए अन्न क्षेत्र और खुले दरबार न केवल उनके शासन को सुराज्य बनाते थे, बल्कि यह भी दर्शाते थे कि नारी शक्ति अर्धांगिनी नहीं, समाज के उत्थान की अधिष्ठात्री है। मां अहिल्या का जीवन समाज, संस्कृति और राष्ट्र के लिए समर्पित रहा है। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व अनमोल निधि है। उनके कालजयी विचार हर युग में बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय का संदेश देते हैं। आज हमारी सरकार इसी ध्येय के साथ जनकल्याण के पथ पर अग्रसर है। प्रदेश में लागू लाड़ली बहना योजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना और स्व-सहायता समूहों के माध्यम से आर्थिक सशक्तिकरण जैसे कार्यक्रम उसी परंपरा का आधुनिक स्वरूप हैं। इसी क्रम में मध्यप्रदेश में शहरी क्षेत्र की बहनों के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए दीनदयाल जन आजीविका योजना संचालित की जा रही है।

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता

जहां नारी का सम्मान होता है, वहां समृद्धि और शांति का वास होता है। यह हमारी नीति और दृष्टि का मूलमंत्र है। संपूर्ण विश्व ने बहनों के सिंदूर की ताकत अभी हाल ही में देखी है। अब भोपाल में आयोजित होने जा रहा महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन भारत की नारी मातृशक्ति को नमन और उनके सामर्थ्य को सशक्त करने का महायज्ञ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लागू की गई उज्ज्वला योजना, जनधन खाता, मातृत्व वंदना योजना और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसे कार्यक्रमों ने करोड़ों बेटियों, बहनों के जीवन को नई दिशा दी है। मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के नेतृत्व में महिलाओं को संपत्ति में अधिकार, शिक्षा, रोजगार और सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में अभूतपूर्व कार्य हो रहे हैं। यह मां अहिल्या के आदर्शों, न्याय, करुणा एवं शक्ति के संतुलन का साकार रूप है।

इंदौर में स्वच्छता, संस्कृति और सशक्तीकरण का संगम

मैंने राजनीति में जो सीखा, वह मां अहिल्या की भूमि से सीखा। एक सार्वजनिक सेवक के रूप में, जब विकास की बात आती है तो मेरे मन में केवल एक ही ध्येय होता है...हमारा देश, हमारा प्रदेश, हमारी संस्कृति और हमारा गौरव। मुझे संतोष है कि अपना इंदौर आज सबसे स्वच्छ शहर होने के साथ नारी सशक्तीकरण का प्रतीक है। इसी क्रम में हमने तय किया है कि इंदौर मेट्रो के पहले स्टेशन का नामकरण मां अहिल्या बाई के नाम पर किया जाएगा। अब जब 31 मई को इंदौर मेट्रो की पहली ट्रेन दौड़ेगी और भोपाल में लाखों बहनें प्रधानमंत्री के प्रेरक विचारों को सुनेंगी, तब यह केवल आयोजन नहीं, बल्कि मध्यप्रदेश के नवयुग का शंखनाद होगा। यह मां अहिल्या के आदर्शों को आधुनिकता के साथ जोड़ने का संकल्प होगा। मैं इंदौर और मध्यप्रदेश की जनता को इस ऐतिहासिक अवसर की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। यह गर्व का क्षण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के नेतृत्व में हम मध्यप्रदेश की धरा को विकास और सम्मान के नए शिखर पर ले जा रहे हैं।

(लेखक मध्यप्रदेश सरकार में नगरीय विकास एवं आवास तथा संसदीय कार्य मंत्री हैं।)

देवी अहिल्याबाई और महेश्वरी साड़ी, परंपरा, पहचान और नारी सशक्तीकरण की त्रिवेणी का संगम

सुश्री निर्मला भूरिया

भारत की सांस्कृतिक धरोहर में जब भी बात होती है, मध्यप्रदेश का नाम गौरव से लिया जाता है। इस धरती ने अनेक महान व्यक्तियों को जन्म दिया है। इनमें से एक हैं लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर। उनका जीवन, कार्य और दर्शन आज भी महिला नेतृत्व, सेवा, न्याय और संस्कृति की प्रेरणा है। उनके ही कालखण्ड में जन्मी महेश्वरी साड़ी न केवल एक वस्त्र है बल्कि कला, परंपरा और महिला कौशल की जीवंत पहचान बन चुकी है। नर्मदा नदी के किनारे स्थित भारत के प्राचीन मंदिर नगरों में से एक, महेश्वर अपनी महेश्वरी सिल्क के लिए प्रसिद्ध है। महेश्वर का शाब्दिक अर्थ है शिव की भूमि। चाहे आप आध्यात्मिक रूप से जुड़ाव रखते हों या नहीं, महेश्वर के आकर्षण से बच पाना कठिन है। इसके घाटों और किलों की जीवंतता एक अलग ही तरह की शांति प्रदान करती है। मनमोहक घाट और रोमांचकारी किले के अलावा, महेश्वर की गलियाँ रंग-बिरंगे लकड़ी के घरों और सुंदर बालकनियों से सजी हुई हैं। यह स्थान अत्यंत मोहक और शांतिपूर्ण है। लोकमाता देवी अहिल्याबाई ने 18वीं शताब्दी में जब शासन की बागडोर संभाली, तब उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि एक महिला भी कुशल प्रशासक, समाजसेविका और संस्कृति संरक्षिका हो सकती है। महेश्वर ने रानी अहिल्याबाई होल्कर के शासनकाल में सांस्कृतिक ऊंचाइयों को छुआ। रानी अहिल्याबाई न केवल मध्यप्रदेश का गर्व हैं, बल्कि भारत की सबसे साहसी रानियों में से एक मानी जाती हैं। रानी अहिल्याबाई होल्कर ने अपने समय में कला, शिक्षा, संस्कृति और को न केवल संरक्षण दिया,

बल्कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कई पहल भी कीं। साथ ही नर्मदा नदी के तट पर बसे महेश्वर को एक सांस्कृतिक केन्द्र के रूप में विकसित किया। आज भी उन्हें महिला नेतृत्व की एक महान प्रतीक के रूप में याद किया जाता है। रानी उन महानतम स्थापत्य शिल्पियों में से एक थीं, जिन्होंने किलों, मंदिरों और नगरों का निर्माण कराया। एक निर्भीक योद्धा और कुशल राजनीतिज्ञ होने के नाते, रानी अहिल्याबाई होल्कर ने अपने लोगों को कई कठिन परिस्थितियों से सुरक्षित रखा। देवी अहिल्याबाई ने भारत में अनेक मंदिरों, घाटों और अन्य संरचनाओं के निर्माण का आदेश दिया। रानी अहिल्याबाई विधवा होते हुए भी मराठा साम्राज्य की सबसे शक्तिशाली और प्रेरणादायक व्यक्तित्वों में से एक बन गईं। उनकी सफलता ने दुनिया को दिखा दिया कि महिलाएं क्या कुछ कर सकती हैं।

(लेखक मध्यप्रदेश की महिला, बाल विकास मंत्री

महेश्वरी सिल्क

रानी अहिल्याबाई होल्कर ने अन्य राज्यों से बुनकरों को महेश्वर में बसने के लिए आमंत्रित किया और उन्हें प्रेरित किया कि वे किले की जटिल डिजाइनों को कपड़े पर उतारें। यही महेश्वरी सिल्क की उत्पत्ति थी, जो आज व्यापक रूप से प्रसिद्ध और अनुपम मानी जाती है। महेश्वरी हैंडलूम की सादगी और उसकी सुरुचिपूर्ण शैली इसी महान परंपरा से प्रेरणा लेती है। महेश्वरी साड़ी की खास बात यह है कि इसकी बुनाई प्रक्रिया में स्थानीय महिलाएँ अहम भूमिका निभाती है। पांरपरिक हथकरघा तकनीक से बनी यह साड़ी केवल परिधान नहीं, बल्कि हर धागे में स्वाभिमान और परिश्रम की कहानी समेटे होती है। इसका हर डिजाइन चाहे वह नारियल, फूल, नर्मदा की लहरें या मंदिर की आकृति हो, मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को दर्शाता है। महेश्वरी साड़ियाँ अपनी जटिल डिज़ाइनों के लिए प्रसिद्ध हैं, जो महेश्वर किले की दीवारों पर उकेरे गए पैटर्न से प्रेरित होती हैं। इन साड़ियों की सुनहरी किनारी, चेक डिज़ाइन और बेहद महीन बुनावट इन्हें खास बनाती है। किनारे की कोमलता और संवेदनशीलता बहती हुई नदी से प्रेरणा लेती है। हर किनारे का एक अनूठा नाम होता है, जो उसकी प्रवाहशीलता और भावना को दर्शाता है। उदाहरण के लिए, ÷नर्मदा÷ नाम की बॉर्डर में उसी नदी जैसी प्रवाहशीलता होती है। एक और साड़ी होती है ÷गंगा-जमुना÷, जिसकी किनारी दो अलग-अलग रंगों और डिज़ाइनों में होती है। सूती और रेशमी धागों के बेहतरीन मिश्रण से बनी महेश्वरी सिल्क एक सुंदर भारतीय शिल्प है, जो बुनावट और रंग दोनों में हल्की होती है। यह इसे हर मौसम के लिए उपयुक्त और अत्यंत सुरुचिपूर्ण बनाती है।

होलकर वंश की रानी अहिल्याबाई राजसी मेहमानों को तोहफे में जो खास साड़ियां देती थीं आज वही महेश्वरी साड़ियां देश-दुनिया में खास और आम महिलाओं के तन पर सजती हैं। देवी अहिल्याबाई ने ये साड़ियां बनवाने के लिए खास हुनर वाले बुनकरों को मध्यप्रदेश के महेश्वर में बसाया था और वहां से निकलकर आज ये साड़ियां पूरे देश में पहुंच गई हैं। पहले इनकी मांग कुछ शहरों में ही थी मगर सोशल मीडिया के दौर में नई डिजाइनों की वजह से इनकी शोहरत बढ़ी और आज पूरे देश में महेश्वरी साड़ियां बेची-खरीदी जाती हैं। लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर का जीवन इस बात का प्रमाण है कि जब एक महिला को अवसर मिलता है, तो वह समाज को नई दिशा दे सकती है। आज जब हम महिला सशक्तिकरण की बात करते हैं, तो महेश्वरी साड़ी इसके सबसे सुंदर और प्रामाणित उदाहरणों में से एक है। यह न केवल हजारों महिलाओं को रोजगार देती है बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर और स्वाभीमानी जीवन जीने का अवसर भी प्रदान करती है। रानी अहिल्याबाई होल्कर ने भारत के कोने-कोने में अनेकों मंदिर और धर्मशालाओं का निर्माण, पुनर्निर्माण और जीर्णोद्धार कराया। मंदिरों का पुनर्निर्माण और महेश्वरी साड़ी, रानी अहिल्याबाई की जीवंत विरासतों में शामिल हैं। महेश्वर नगर और महेश्वरी हैंडलूम बुनाई अब एक-दूसरे के पर्याय बन चुके हैं। महेश्वर की बुनाई इस नगर की अधिकांश जनसंख्या की आजीविका का प्रमुख स्त्रोत है। महेश्वर की गलियों में रंग-बिरंगी हैंडलूम साड़ियाँ हमेशा देखने को मिलती हैं। नगर के बुनकर घरों में करघों की लयबद्ध ध्वनि, जो धागे-धागे से कपड़े को बुनती है, हमेशा कानों को आनंद देती है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

नारी शक्ति के मेगा शो के लिए निकलीं भोजपुर क्षेत्र की महिला शक्ति

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)। भोजपुर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज भोपाल में देवी अहिल्याबाई की 300वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित महिला सशक्तिकरण महा सम्मेलन में शामिल होंगे। कार्यक्रम में शामिल होने प्रदेश भर की महिलाएं शामिल हो रहीं हैं। सुबह से ही औबेदुल्लागंज के धाकड़ नागर गार्डन में महिलाओं की उपस्थिति बड़ी संख्या में देखी गई। यहां प्रशासन द्वारा फ्रेस हाल्टिंग की व्यवस्था की गई है। भोजपुर क्षेत्र की महिलाएं भी उत्साह के साथ कार्यक्रम में पहुंचने निकल चुकी हैं।

अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण कर जिले की रैंकिंग को बेहतर बनाएं:अपर कलेक्टर

मंडला। अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह ने सीएम हेल्पलाईन एवं उच्च न्यायालय के लम्बित प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की।उन्होंने सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रकरणों का निराकरण सर्वोच्च

प्राथमिकता के साथ करें।50 से अधिक दिवस के लम्बित प्रकरणों के संबंध में चर्चा करते हुए विभागों को आवश्यक निर्देश दिये।अपर कलेक्टर ने कहा कि अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण कर जिले की रैंकिंग को बेहतर करने का प्रयास करें।इस दौरान उन्होंने समस्त सीएमओ को निर्देशित किया कि बारिश को ध्यान में रखते हुए नगरीय निकाय के सभी नाला एवं नालियों की साफ-सफाई कराएं,साथ ही जर्जर भवनों का चिन्हांकन करते हुए नियमानुसार ध्वस्तीकरण की कार्यवाही करें।बैठक में उच्च न्यायालय के प्रकरणों की भी विस्तार से समीक्षा की गई।इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री अरविंद सिंह, श्री जेपी यादव, एसडीएम मंडला श्रीमती सोनल सिडाम सहित संबंधित उपस्थित थे।

शून्य लागत कृषि में गोपालन के महत्व पर 2 दिवसीय कार्यशाला आयोजित

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)। गोपालन से खेती को शून्य लागत में बदलकर विज्ञान सम्मत कृषि विकास को लेकर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन इमलिया गोण्डी गोशाला में किया गया। देव संस्कृति विवि ग्रामोद्योग विभाग हरिद्वार से पहुंचे प्रशिक्षक डॉ चंद्रमोहन शुक्ला,डॉ इंजीनियर मिश्रा आरपी हजारी भोपाल,आर के गुप्ता भोपाल,एवं माखन सिंह परमार नानाखेड़ी द्वारा

गौशाला में पहुचे किसानों को गौआधारित खेती करने का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षकों ने गो आधारित उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण ,प्रोत्साहन एवं विपणन को लेकर मार्गदर्शन प्रदान किया गया। । गोशाला में उत्पादों का प्रदर्शन भी किया गया। प्रशिक्षण के समापन के बाद जन अभियान परिषद के नवांकुर संस्था से वीर सिंह चौहान, भूपेन्द्र नागर ने त्रिवेणी पेड़ लगाकर अधिक से अधिक पेड़ लगाने एवं गौपालन करने की अपील की। कार्यक्रम में एमएसडब्ल्यू के स्टूडेंट भी सहभागी बने।

माँ शारदा जन कल्याण समिति का रक्तदान शिविर आयोजित

सांध्य प्रकाश सारनी। माँ शारदा जनकल्याण समिति द्वारा जैरी चौक पाथाखेड़ा में सार्वजानिक रूप से रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 23 रक्तदाताओं ने रक्त दान किया है । जिसमे कुल 20 पुरुष तथा 03 महिला ने रक्तदान करके समाज में जनकल्याण का संदेश दिया है। रक्त शिविर जिला अस्पताल से मुख्य पैथालॉजिस्ट डॉ अंकिता सिथे एवं बी एम ओ डॉ संजीव शर्मा द्वारा गठित दल जिसमे वरिस्ट लेब टेक्निशियान राजेश बोरखड़े घोड़ाडोंगरी स्वस्थ केंद्र से डॉ रश्मि ठाकुर ब्लड बैंक इन्वर्ज गीता वड़ीवा लैब टेक्निशियन शैलेश कुमार योगेश बाघ,आशीष सोनी एवं रोहित पंडोले को जिम्मेदारी दी गई। डॉ रश्मि ठाकुर ने कहा कि रक्तदान महादान है। हर जिम्मेदार नागरिक को समय समय पर रक्त दान करना चाहिए। जिससे सेहत में कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ता रक्तदान के पश्च्यात रक्त दाताओं को नाश्ता फल और पौष्टिक जूस पिलवाया तथा प्रमाण पत्र वितरण किया गया।

मंडी में भी व्यक्त समस्याओं से परेशान व्यापारियों ने आवेदन पत्र देकर मंडी प्रशासन को दिया तीन दिन का अल्टीमेटम

सिरोंज। कृषि उपज मंडी में बारिश का पानी निकासी से लेकर साफ सफाई सहित अन्य परेशानियों के संबंध में थोक अनाज तिलहन व्यापार संघ अध्यक्ष समीर भार्गव ने व्यापारियों के साथ सचिव की अनुपस्थिति में मंडी कार्यालय में स्टाफ को सचिव के नाम आवेदन पत्र देते हुए कहा कि हमारी मांगों का तीन दिवस के अंदर समाधान नहीं किया गया तो व्यापारी गण डाक नीलामी में सम्मिलित नहीं होंगे हम लोग लंबे समय से अपनी समस्याओं के संबंध में आवेदन देते आ रहे हैं। इसके बाद भी मंडी प्रशासन के द्वारा व्यापारियों तथा कृषकों की परेशानियों को दूर करने के लिए गंभीरता से ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इसके चलते पिछले दिनों हुई बे मौसम बारिश से व्यापारियों के गोदामों में पानी भर जाने से इनको काफी नुकसान उठाना पड़ा इधर किसाने की फसल भी पानी के कारण गीली होने से दिक्कत हई। कुछ दिनों से मंडी का संचालन भगवान भरोसे ही हो रहा है ।मंडी सचिव से लेकर ज्यादातर स्टाफ मुख्यालय पर रहता नहीं है इसके चलते राम भरोसे ही काम चल रहा है। मंडी सचिव को तो किसान और व्यापारियों की समस्या से कोई सरोकार नहीं है ऐसा ए प्रतीत हो रहा है। तभी तो कई बार शिकायतों के बाद भी छोटी-छोटी समस्याओं को दूर नहीं किया जा रहा है किसानों की फसल चोरी के मामले रुक नहीं रहे हैं साफ

सफाई की हाल बुरे हैं पानी के इंतजाम भी नहीं है शौचालय की स्थिति भी बहुत खराब है मंडी परिसर में साफ सफाई भी नहीं करवाई जाती है इस वजह से वहां के हाल भी बुरे हैं। इनके कामों के नाम पर हर महीने राशि जरूर मंडी से निकल रही है पर देखने वाला कोई है इसके कारण सब गोलमाल चल रहा है । किसी भी तरह की समस्या होने पर व्यापारी एवं किसान जब भी अपनी समस्या लेकर मंडी सचिव के पास जाते हैं तो पता चलता है कि वहां मौजूद नहीं है जवाब दिया जाता है कि मंडी बोर्ड यहां फिर दूसरे काम के दिए गए हुए हैं ऐसा कहा जाता है जबकि वास्तव में कुछ ओर ही चल रहा है आने से बचने के लिए बहाना कर दिया जाता है। क्योंकि ज्यादातर दिन सचिव मुख्यालय पर रहते कार्यालय भी नहीं आते हैं। इस कारण से हालात दिन व दिन खराब हो रहे हैं जन प्रतिनिधियों से लेकर अधिकारी भी इस और ध्यान नहीं दे रहे हैं इस वजह से किसान व्यापारी सब इनके इस रवैया से परेशान हो रहे है। मंडी व्यापारियों मंडी की समस्याओं को दूर करवाने के लिए मंडी बंद करने का ऐलान भी करना पड़ रहा है । इसके बाद देखना है कि व्यवस्थाओं में बदलाव होगा या फिर डाक नीलामी बंद होने स्थिति निर्मित होने के बाद भी जिम्मेदार अधिकारी कदम उठाएंगे। वहीं मुखिया के अलावा अधिकांश स्टाफ रहता नहीं है। इसी का परिणाम है कि मंडी में किसानो की फसल चोरी के मामले आए दिन सामने आते हैं इसके कारण जिले भर में मंडी चर्चित है। टैक्स देने के बाद भी सुविधाएं मिलना तो दूर की बात है पुराने तोल परिसर में बरसात का पानी निकालने की व्यवस्था नही होने के कारण पिछले दिनों ही बारिश से किसानों व्यापारियों को काफी नुकसान हो गया जिससे परेशान होकर व्यापारियों ने मंडी प्रशासन को पानी निकासी साफ सफाई सहित अन्य समस्याओं को दूर करने के लिए तीन दिन का समय दिया है इस अवधि में समस्याओं का हाल हीं होने पर डाक नीलामी में व्यापारी सम्मिलित नहीं होंगे इसके संबंध में अगवत कर दिया है। श्री भार्गव ने बताया कि सचिव का रवैया ठीक नहीं होने के कारण आये दिन विवाद हो रहे हैं इन्ही समस्याओं को लेकर पत्र दिया हे। सिरोंज मंडी का दुर्गभाग्य हें जो भी मंडी सचिव आता हें वहां मंडी छोड़कर अपने ट्रांसफर करवाने में लग जाता है,मंडी को भगवान भरोसे छोड़कर, दिया गया है।इस दौरान ,राजेश मित्तल, राजेश जैन, प्रियांक जैन,मनीष जैन, लोकेश जैन, पप्पू साहू, गगन तारण, रामकिशन साहू,देवेंद्र साहू आदि व्यापारी मौजूद थे

जंबूरी मैदान में कर्नल सोफिया को अपमानित करने वाले मंत्री को क्या अभयदान देंगे प्रधानमंत्री

मप्र में भाजपा का एक मात्र आदिवासी नेता होने का गौरव या घमंड

खंडवा। अभिनेष सिंह। पहलगाम में पाकिस्तानी आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब देनेवाली भारतीय सेना की साहसी कर्नल सोफिया खान को आतंकियों की मां बहन कहने वाले मध्य प्रदेश के वन मामलों के मंत्री को उनके भाषण पर जहां इंटरनेट और मीडिया के माध्यम से जनता ने अच्छी-खासी खिंचाई कर डाली, वही प्रदेश का विपक्ष भी उनके दिए गए भाषणों को लेकर विधानसभा एवं मंत्री पद से त्यागपत्र की मांग कर रहा है। खंडवा के समीप हरसूद विधानसभा में आदिवासियों के बीच पाकिस्तान पर हुए भारतीय हमले को लेकर उमंग का माहौल था, इसी बीच भारतीय जनता एवं सेना में जोश भरने के लिए प्रदेश के वन मामलों के मंत्री कुंवर डॉक्टर विजय

शाह ने कर्नल सोफिया खान की वीरता का उल्लेख करते हुए उन्हें हमारी के बजाय तुम्हारी बहन बेटी बोलकर अर्थ का अनर्थ कर डाला। कई लोगों का मानना है की मंत्री के बोलने का आशय यह नहीं था गलती से उनकी जिव्हा फिसल गई, मंत्री विजय शाह ने अपने विधानसभा ही नहीं संपूर्ण म.प्र के आम नागरिकों के हितों के लिए कई कार्य किया हैं, वही आलोचकों का कहना है कि साधारण नागरिक, विधायक, या संगठन पदाधिकारी से यह गलती हो जाती तो क्षमा योग्य थी किंतु प्रदेश का इतना गंभीर पद लेकर यदि मंत्री गलत बयान बाजी करते हैं और अपनी ही पार्टी को अप्रत्यक्ष रूप से धमकाते हैं ऐसे मंत्री को पद पर रहने का कोई अधिकार नहीं यह तो वही बात होगी जैसे बंदर के हाथ में उस्तरा। भोपाल के जंबूरी मैदान में आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2 लाख महिलाओं को संबोधित करने जा रहे हैं, ऐसे में अगर मंत्री के गलत बयान बाजी पर दंडित करने की बजाय यदि उन्हें क्षमा कर दिया गया तो भविष्य में इसके दुष्परिणाम भाजपा की ही झोली में गिरेगा, वर्तमान में होने जा रहे इस कार्यक्रम में एक तरफ महिला सशक्तिकरण एवं सम्मान की बात है वही दूसरी तरफ देशभक्त अधिकारी को अपमानित करने वाले मंत्री के वर्चस्व की बात है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी द्वारा यदि प्रदेश के मंत्री को विधायक पद एवं मंत्री पद से नहीं निकाला जाता है तो करोड़ों रुपए लगाकर आयोजित किए गए महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम को ढोंग और दिखावा माना जाएगा और यदि प्रदेश के मंत्री को महिलाओं के सम्मान में पार्टी से खदेड़ा गया तो प्रदेश में उनके द्वारा शोषित व पीड़ित सैकड़ो लोग अपने इंसाफ के लिए गुहार लगाते नजर आएंगे।

भाजपा दीनदयाल नगर मंडल की संगठनात्मक बैठक संपन्न

दमोह। भारतीय जनता पार्टी दीनदयाल उपाध्याय नगर मंडल दमोह के नवनियुक्त मंडल पदाधिकारीओं की परिचय एवं संगठनात्मक बैठक जिला भाजपा कार्यालय दमोह में जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे के मुख्य आतिथ्य में आयोजित की गई। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई प्रेषित करते हुए कहा कि आप सभी नगर के पदाधिकारी होने के साथ अपने बूथ और वार्ड के कार्यकर्ता भी है आप सभी को अपने बूथ, वार्ड और शक्ति केंद्र को मजबूत करना है।मंडल अध्यक्ष राजेन्द्र चौरसिया ने सभी पदाधिकारियों का परिचय जिलाध्यक्ष से करवाया और सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को भाजपा का पट्टा पहना कर बधाई दी। बैठक का संचालन मंडल महामंत्री अरूण सोनी और आभार प्रकट मंडल महामंत्री महेंद्र अहिरवार ने किया। इस अवसर पर मंडल उपाध्यक्ष आशीष राय, विकास जैन, श्रीमती गायत्री वंशवर्ती, बालकृष्ण यादव, श्रीमती राधा सोनी, मंडल मंत्री श्रीमती रितु पांडेय, श्रीमती आरती राय, श्रीमती रेनु रजक, राहुल ताम्रकार, राहुल पाठक, मंडल मीडिया प्रभारी अखिलेश सिंह घोषी, सह कोषाध्यक्ष सुनील राज, कार्यालय मंत्री अखिलेश चौबे उपस्थित रहे।

सिर्फ वोट के लिए सिवनी का चक्कर लगाती हैं सासंद भारती: कांग्रेस

सिवनी। बालाघाट सांसद भारती पारधी सिर्फ वोट लेने के लिए सिवनी के चक्कर लगाकर, उन्हें सर्वाधिक वोट सिवनी से ही प्राप्त हुए है। किन्तु लोकसभा पंहुचने के बाद ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे की सिवनी बालाघाट लोकसभा का हिस्सा ही न हो, यहाँ से निर्वाचित जनप्रतिनिधि सिवनी के साथ भेदभाव करेंगे, तो सिवनी के विकास का भगवान ही मालिक है। चिलचिलाती गर्मी में श्रीमती पारधी ने सिवनी के लोगो की परवाह न करते हुए पीने का पानी संजय सरोवर बांध से पानी अधिकारियों पर दबाव बनाकर बालाघाट वालो को देने का आदेश दिया, तब उन्होंने सिवनी की जरा भी चिंता नही कि की सिवनी की जनता को जलापूर्ति कहा से की जायेंगी। भला हो जिला कलेक्टर संस्कृति जैन का जिनकी सूझबूझ और प्रयासों से सिवनी को माचागोरा बांध का पानी मिला। लेकिन वह एक सप्ताह जब सिवनी नगर में पानी की हाहाकार मच गई थी तब भी सत्ता के नशे में मदमस्त श्रीमती पारधी ने सिवनी वालों की सूध नही ली, जो सांसद सिवनी से पीने का पानी छीन सकती है उनके क्या आशा की जाए, उनके द्वारा ऐसा कोई प्रयास नही किया गया, ताकि सिवनी की जनता को जलसंकट से राहत मिल सके, मुसीबत की इस घडी में उन्होंने सिवनी से दूरिया बना ली। प्रेस को जारी विज्ञप्ति में जिला कांग्रेस प्रवक्ता राजिक अकील ने बताया कि लगातार सिवनी की उपेक्षा करने वाली सांसद श्रीमती पारधी एक बार फिर सिवनी को नजर अंदाज करते हुए केन्द्र में बैठी भाजपा सरकार द्वारा दो नई सवारी गाडियों की सौगात बालाघाट को दिया है जबलपुर से रायपुर वाया बालाघाट, रीवा से पुणे वाया बालाघाट, जबकि होना यह था कि रीवा से पुणे रेल गाडी सिवनी, छिन्दवाड़ा होते हुए नागपुर जाना था जिससे दो जिलो में महाराष्ट्र से रेल सेवा से कनेक्टिविटी हो जाती, सिवनी को भी छत्तीसगढ़ से सवारी गाडियां मिलना चाहिए जिसकी मांग बहुत दिनों से की जा रही है जानबूझकर सांसद पारधी द्वारा सिवनी के साथ भेदभाव किया जा रहा है। सिवनी के सत्ताधारी दल के नेताओं द्वारा उनके इस कृत्य पर बधाई दी जा रही है क्या उन्हें सिवनी का नुकसान नजर नही आ रहा है।

आबकारी विभाग की छापामार कार्यवाही 71 लीटर कच्ची मदिरा जब्त

मंडला। जिला आबकारी अधिकारी रामजी पांडेय के मार्गदर्शन में मण्डला जिले में मदिरा के अवैध संग्रहण, परिवहन एवं विक्रय के विरुद्ध की गई कार्यवाही में वृत नैनपुर में मार्केट रोड पर मुखबिर की सूचना पर संदेहास्पद स्थिति में

रिहायशी मकान की विधिवत तलाशी ली गई। जिसमें संजना बर्मन निवासी पिंडरई के मकान पर हॉल और रसोई पर हांथभट्ठी कच्ची मदिरा प्राप्त हुई। 71 लीटर मदिरा को जप्त कर उक्त आरोपी के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)(क) एवं 34(2) अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

शहर में बारिश के पूर्व नालों की साफ-सफाई कार्य निरंतर जारी

छतरपुर। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत शहर में विभिन्न कार्य किए जा रहे है। छतरपुर नगरपालिका अध्यक्ष ज्योति सुरेन्द्र चौरसिया एवं सीएमओ माधुरी शर्मा के निर्देशन में एवं स्वच्छता निरीक्षक संजेश नायक के मार्गदर्शन में शहर के विभिन्न वार्डों में वर्षा के पूर्व शहर के छोटे-बड़े नालों एवं नालियों की सफाई कार्य निरंतर जारी। इसी क्रम में मऊ दरवाजा एवं सौरा रोड के नाले की साफ-सफाई की गई है, जिससे वर्षा के दौरान जल निकासी में कोई बाधा न हो। सीएमओ ने नागरिकों से अपील की है कि वे नालियों में कचरा न डालें और सफाई अभियान में सहयोग करें।

लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की 300 वीं जयंती पर दमोह में नाट्य मंचन का हुआ आयोजन

दमोह। मध्य प्रदेश शासन संस्कृति विभाग के निर्देशानुसार लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300 वीं जन्म जयंती के अवसर पर शुक्रवार को प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, दमोह में एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 'लोकमाता अहिल्याबाई' नाटक का मंचन युवा नाट्य मंच दमोह द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम मध्यप्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया के मुख्य अतिथि में संपन्न हुआ । कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष रंजीता/ गौरव पटेल ने की।

राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ. कुसमरिया ने संबोधित करते हुये कहा मैं देवी अहिल्याबाई के जीवन, संघर्ष, प्रशासनिक क्षमता और उनके द्वारा किए गए सामाजिक व धार्मिक कार्य प्रेरणादायी है। उनकी नीतियों और जनहितकारी योजनाओं से सीख लेकर अनेक जनहित योजनाओं में कार्य हो रहा है।

कार्यक्रम में पुण्यश्लोक अहिल्या स्त्री शताब्दी समारोह समिति की जिला संयोजक एवं वरिष्ठ समाजसेवी सीमा जाट, नर्मदा एकता सिंह, डॉ. सोनल राय, मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रवीण

फुलपगारे और अपर कलेक्टर मीना मसराम विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

रंगमंच के क्षेत्र में अग्रणी संस्था युवा नाट्य मंच दमोह के कलाकारों द्वारा देवी अहिल्याबाई के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर आधारित नाटक 'लोकमाता अहिल्याबाई' की जीवंत और प्रभावी प्रस्तुति की गई। नाटक में अहिल्याबाई की बचपन से लेकर मालवा साम्राज्य को सम्भालने, उनके जनहित के क्षेत्र में किए गए कार्य, सामाजिक समरसता उद्योग धंधे नारी सशक्तिकरण जैसे महत्वपूर्ण कार्यों का उल्लेख नाटक के मंचन में किया गया। प्रभावी प्रस्तुति और पात्रों के सजीव अभिनय ने सभी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। दर्शकों ने कलाकारों की भूमिका और नाट्य मंचन की भूरी-भूरी प्रशंसा की। कार्यक्रम का आभार शिक्षिका श्रुति राजपूत द्वारा किया गया।

अहिल्या बाई होलकर की 300 वीं जयंती पर पुलिस का अभिनव प्रयास

सांध्य प्रकाश बैतूल। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में लोकमाता अहिल्या बाई होल्कर की 300 वीं जयंती पर आयोजित गई। कार्यक्रम में बैतूल पुलिस ने जन-जागरूकता और सामाजिक सहभागिता का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया। आयोजन राजमाता की गौरवगाथा को श्रद्धांजलि का था। जिसमे महिलाओं और छात्रों के बीच संवेदन शील संवाद कार्यक्रम की शुरुआत जागरूकता सत्र से हुई। जिसमें छात्र-छात्राओं को लोकमाता अहिल्या बाई के न्यायप्रिय शासन सामाजिक समरसता और महिला सशक्तिकरण के कार्यों से परिचित कराया गया। बल्कि सवाल पूछने और सामाजिक विषयों पर सोचने की प्रेरणा भी दी। महिला सुरक्षा शाखा की सराहनीय पहल महिला सुरक्षा शाखा द्वारा विशेष पुस्तिकाएं वितरित की गईं। जिनमें महिलाओं के कानूनी अधिकारों आत्मरक्षा के उपायों और जरूरी हेल्पलाइन नंबरों को सरल भाषा में प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में एसआई अश्विनी चौधरी एसआई चित्रा कुमरे,एसआई इरफान कुरैशी सहित अन्य अधिकारी बच्चों के समक्ष मित्रवत शैली में उपस्थित हुए। उन्होंने बच्चों से आग्रह किया कि वे घर जाकर इस विषय पर अपने माता-पिता से चर्चा करें।

भैंसदेही थाना से एसआई प्रीति पाटिल और महिला थाना निरीक्षक सेवंती परते ने ग्राम स्तर पर आंगन वाड़ी केंद्रों में जाकर महिलाओं व किशोरियों को उनके अधिकारों और सुरक्षा उपायों की जानकारी दी।आज पुलिस सामाजिक शिक्षा,जन-संवाद ,मानवीय संवेदनाओं को प्राथमिकता देते हुए एक नई दिशा की ओर अग्रसर है।लोकमाता अहिल्या बाई होल्कर जैसी महान विभूतियों को श्रद्धांजलि तभी सार्थक होती है। इस कार्यक्रम ने सिद्ध किया है। कि वर्दी के पीछे संवेदनशील, शिक्षित जागरूक हृदय भी धड़कता है। पुलिस का यह कदम न केवल सुरक्षा व्यवस्था में विश्वास को सुदृढ़ करता है। बल्कि समाज में सकारात्मक सोच और सहयोग की भावना भी उत्पन्न करता है। यह पहल पुलिस-सामाजिक सहभागिता की एक अनुकरणीय मिसाल है।

फ्लिपकार्ट करेगा ग्लैम अप फेस्ट 2025 की मेजबानी

मुंबई, एजेंसी। फ्लिपकार्ट भारत के सबसे बड़े ब्यूटी एंड लाइफस्टाइल इवेंट के तीसरे संस्करण ग्लैम अप फेस्ट 2025 की मेजबानी करने के लिए तैयार है। इसका आयोजन 6 और 7 जून को नेस्को, गोरेगांव, मुंबई में किया जाएगा। दो दिन चलने वाले इस उत्सव में 100 से ज्यादा अग्रणी ब्यूटी, स्किन एवं के-ब्यूटी ब्रांड्स के साथ-साथ देशभर से 6,000 से ज्यादा इन्फ्लुएंसर्स एवं क्रिएटर्स हिस्सा लेंगे। ब्यूटी, इनोवेशन एवं कंटेंट के हाई-एनर्जी सेलिब्रेशन के रूप में तैयार ग्लैम अप फेस्ट 2025 से के-ब्यूटी, इमर्सिव ब्रांड एक्सपीरियंस, टेक-लेड प्रोडक्ट डिस्कवरी और एक्सक्लूसिव कंज्यूमर एक्टिवेशन के मामले में फ्लिपकार्ट की अग्रणी स्थिति को और मजबूती मिलेगी। फ्लिपकार्ट की हेड ऑफबिजनेस एफएमसीजी एंड जनरल मर्चेंडाइज मंजरी सिंघल ने कहा, 'भारत के सबसे बड़े ब्यूटी इवेंट ग्लैम अप फेस्ट 2025 के तीसरे संस्करण के साथ हम भारत में ब्यूटी प्रोडक्ट्स की डिस्कवरी, एक्सपीरियंस एवं शॉपिंग के तरीके को बदल रहे हैं।

कैंपस एक्टिववियर ने किया एयर कैप्स्यूल प्रो का अनावरण

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के अग्रणी स्पोर्ट्स एवं एथलेज़र ब्राण्ड्स में से एक कैंपस एक्टिववियर ने अपने प्रमुख एयर कैप्स्यूल कलेक्शन के अपग्रेडेड वर्ज़न- एयर कैप्स्यूल प्रो का अनावरण किया है। यह नया वेरिएन्ट आज के युवाओं की बहु-आयामी, तेज़ी से भागती जीवनशैली को ध्यान में रखते हुए डिज़ाइन किया गया है जो अपने बेहतरीन लुक, प्रभावी कुशनिंग के साथ काम से लेकर वर्कआउट, गैदरिंग एवं गेटवेज़ तक- दिन भर आरामदायक अनुभव प्रदान करता है। इस लॉन्च के पीछे एक अनूठा सामाजिक-सांस्कृतिक दृष्टिकोण है: आज का जीवन कैप्स्यूल्स में सिमट गया है- हम एनर्जी से भरपूर पलों से लेकर भावनाओं और इरादों को महसूस करते हैं। इसी सोच पर आधारित एयर कैप्स्यूल प्रो कैंपेन दर्शाता है कि कैसे जूते की टेक्नोलॉजी गतिशीलता में रुकावट उत्पन्न किए बिना जीवन के इन विभिन्न पलों पर खरा उतरने में सहजता से समाहित हो जाती है।

अमेजन डाट इन की होम शॉपिंग स्प्री में शामिल होकर अपने घर को गर्मियों के लिए करें तैयार

बेंगलुरु, एजेंसी। अमेजन डाट इन की होम शॉपिंग स्प्री के साथ अपने घरको इस गर्मी दें नया लुक! होम, किचन और आउटडोर प्रोडक्ट्स की विस्तृत रेंजपर पाएं बेहतरीन डील्स। रोबोटिक वैक्यूम, वॉटर प्यूरिफायर, कूलर, वॉटरबॉटल्स, स्विमिंग एक्सेसरीज़, फर्नीचर और बहुत कुछ - इस गर्मी में ठंडक और आराम के लिए जरूरी हर चीज यहां मिलेगी। ग्राहक 1 से 5 जून 2025 तकएक्वागार्ड, नारवाल, वेगा और अन्य लोकप्रिय ब्रांड्स पर शानदार डील्स कालाभ उठा सकते हैं।

आईआईटी मंडी ने प्रयास 3.0 की घोषणा की

मंडी, एजेंसी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मंडी ने अपने सतत शिक्षा केंद्र (सीसीई) के माध्यम से रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) पर एक महीने के गहन आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, प्रयास 3.0 के शुभारंभ की घोषणा की है। आईआईटी मंडी परिसर में आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम 16 जून, 2025 को शुरू होगा। प्रयास 1.0 और प्रयास 2.0 की सफलता के बाद, प्रयास 3.0 भी प्रोजेक्ट-आधारित लर्निंग के माध्यम से प्रतिभागियों को अत्याधुनिक तकनीकों के साथ प्रयोगात्मक शिक्षा देगा। यह कार्यक्रम अंडरग्रेजुएट, ग्रेजुएट और पोस्टग्रेजुएट इंजीनियरिंग छात्रों के साथ-साथ डिप्लोमा धारकों के लिए खुला है जो ऑटोमेशन, एआई और आईओटी के क्षेत्र में व्यावहारिक कौशल प्राप्त करना चाहते हैं।

कलर्स ने जोड़ियों का रियलिटी चेक की घोषणा की

मुंबई, एजेंसी। कहते हैं कि विपरीत लोग एक-दूसरे को आकर्षित करते हैं, और यही बात शादी को अप्रत्याशित रूप से इतना सुंदर बनाती है। अलग-अलग व्यक्तित्व, आदतों और विचारधारा वाले दो लोग साथ मिलकर जीवन बिताते हैं, और रोज़मर्रा के पलों को खूबसूरत यादों में बदल देते हैं। इस खुशनुमा डायनेमिक का जश्न मनाते हुए और दर्शकों को सेलिब्रिटी जोड़ों के रिश्तों की कुछ झलकियां दिखाते हुए, कलर्स अपने नए शो पति पत्नी और पंगा के साथ मनोरंजन का भरपूर डोज देने के लिए तैयार है। यह शो बताता है कि रिश्तों के फूल की खुशबू को बनाए रखने के लिए असल में क्या करना पड़ता है - प्यार, कोशिश, हंसी, और रोज़मर्रा की छोटी-छोटी बातें जो रिश्तों को मजबूत बनाए रखती हैं। इस दिलचस्प हंगामे में उतरने के बाद, इस शो में मशहूर जोड़ियों की ज़िंदगी की मज़ेदार झलक देखने को मिलेगी, जहां वे अपनी केमिस्ट्री को परखने के लिए मनोरंजक चुनौतियों का सामना करेंगे।

डेटॉल ने धोनी को ब्रांड एंबेसडर के रूप में किया स्वागत

मुंबई, एजेंसी। भारत के अग्रणी कीटाणु सुरक्षा ब्रांड डेटॉल ने क्रिकेट के दिग्गज और भारत के असली कैप्टन कूल – महेंद्र सिंह धोनी – को अपने डेटॉल साबुन, बॉडीवॉश और हैंडवॉश रेंज का ब्रांड एंबेसडर नियुक्त करने की घोषणा की है। यह अपनी तरह की पहली साझेदारी है, जो एक प्रतिष्ठित कूल शख्सियत और एक भरोसेमंद कूल ब्रांड को एक साथ लाती है, और गर्मियों में ठंडक बनाए रखने का समाधान डेटॉल आइसी कूल पेश करती है। तीन गुना तीव्र ठंडक9 और त्वचा संक्रमण के कीटाणुओं से 99.9 प्रतिशत सुरक्षा के साथ, डेटॉल आइसी कूल गर्मियों के लिए एक परफेक्ट ज़रूरत है। यह उपभोक्ताओं की एक असली ज़रूरत को पूरा करता है – गर्मी और पसीने के कारण होने वाले त्वचा संक्रमण के कीटाणुओं से सुरक्षा प्रदान करता है। ऐसे देश में जहाँ गर्मियां बेहद तीव्र हो सकती हैं और पसीने से चिपचिपी त्वचा असहजता का कारण बनती है, डेटॉल आइसी कूल देता है तुरंत बर्फ जैसी ठंडक और ताजगी का एहसास – ताकि आपका शरीर ठंडा रहे, मन शांत रहे, और आप दबाव भरे पलों में भी बेहतरीन प्रदर्शन कर सकें।

इंडेल मनी ने वित्त वर्ष 25 में वितरण में 69 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की

मुंबई, एजेंसी। इंडेल मनी, देश की प्रमुख गोल्ड-लोन एनबीएफसी में से एक, ने अपनी प्रबंधनाधीन परिसंपत्ति (एयूएम) में 52 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि हासिल की है, जिससे कुल परिसंपत्ति 2,400 करोड़ रुपये पहुंच गई। कंपनी ने 10 प्रतिशत की वार्षिक बढ़ोतरी के साथ 61 करोड़ रुपये का लाभ भी दर्ज किया। इंडेल मनी का रिपोर्ट किया गया एनपीए अपनी परिसंपत्तियों का 1.35 प्रतिशत है, जो पिछले साल के 3.17 प्रतिशत की तुलना में परिसंपत्ति की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार को दर्शाता है। गोल्ड लोन कंपनी की मुख्य आधारशिला है, जो कुल एयूएम का 94 प्रतिशत हिस्सा है। कंपनी ने वित्त वर्ष 25 में अपने वितरण में 69 प्रतिशत की साल-दर-साल वृद्धि दर्ज की। इंडेल मनी चालू वित्त वर्ष 26 के दौरान 10,000 करोड़ रुपये का वितरण और 4,000 करोड़ रुपये का एयूएम प्राप्त करना चाहती है। कंपनी ने वित्त वर्ष में 89 शाखाएं खोलीं, जिससे शाखाओं की कुल संख्या बढ़कर 365 हो गई।

मोशन ने लॉन्च की नई नीट पीवायक्यू सोल्यूशन बुक्स

कोटा। नीट परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए मोशन एजुकेशन ने नीट पीवायक्यू सोल्यूशन बुक्स लॉन्च की है। इन पुस्तकों में प्रत्येक सवाल के साथ एक क्यूआर कोड भी दिया गया है, जिसे स्कैन करके छात्र सवाल का टेक्स्ट और उससे जुड़ा वीडियो सोल्यूशन सीधे देख सकते हैं। इससे छात्रों को कॉन्सेप्ट क्लियर करने में मदद मिलती है और वे अपनी तैयारी को बेहतर तरीके से समझ सकते हैं। यह नया फीचर नीट की तैयारी में एक क्रांतिकारी बदलाव लेकर आएगा, जिससे छात्र आत्मविश्वास के साथ परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे।मोशन एजुकेशन के फाउंडर और सीईओ नितिन विजय ने बताया कि इस बार नीट पेपर का स्तर काफी कठिन था और यह स्पष्ट हो गया है कि इस परीक्षा में केवल तथ्यात्मक सवालों का दौर खत्म हो चुका है। अब केवल जानकारी ही नहीं, बल्कि विश्लेषणात्मक अध्ययन की आवश्यकता है। इसी नए ट्रेंड को ध्यान में रखते हुए मोशन ने पीवायक्यू सोल्यूशन बुक्स तैयार की हैं, पुस्तक में केवल सवालों के उत्तर दिए गए हैं, जबकि कॉन्सेप्ट क्लियरिटी के लिए प्रत्येक सवाल के सामने क्यूआर कोड भी उपलब्ध है, जिसे स्कैन करके छात्र सवाल का टेक्स्ट और उससे जुड़ा वीडियो सोल्यूशन देख सकते हैं।

भारत ने विकसित किया अत्याधुनिक सूर्या वीएचएफ रडार, जिससे बच नहीं पाएंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने अपनी रक्षा क्षमताओं को और सुदृढ़ करते हुए स्वदेशी रूप से विकसित सूर्या ङ्क॥स्न (वेरी हाई फ्रिक्वेंसी) रडार सिस्टम का सफल निर्माण किया है. यह रडार इतना एडवांस है कि छठी पीढ़ी के स्टील्थ फाइटर जेट्स को भी डिटेक्ट करने की क्षमता रखता है, जो पारंपरिक रडारों से आसानी से बच निकलते हैं. बेंगलुरु स्थित अल्फा डिजाइन टेक्नोलॉजी लिमिटेड द्वारा 200 करोड़ रुपए की लागत से तैयार किए गए इस रडार को भारतीय वायुसेना के लिए विशेष रूप से डिजाइन किया गया है।. इसकी सबसे बड़ी विशेषता है कि यह चीन के J-20 स्टील्थ लड़ाकू विमान और विंग लूंग जैसे ड्रोन को भी पहचान सकता है.

सूर्या रडार VHF बैंड में काम करता है, जो लंबी तरंगदैर्ध्य का उपयोग करता है. इसी वजह से यह स्टील्थ तकनीक से लैस विमानों की पहचान करने में सक्षम है. पारंपरिक रडार सिस्टम जहां इन विमानों को ट्रैक करने में असमर्थ रहते हैं, वहीं सूर्या रडार इन्हें भी पकड़ने की शक्ति रखता है. यह रडार प्रणाली 2 वर्ग मीटर के रडार क्रॉस सेक्शन वाले लक्ष्यों को 360 किलोमीटर तक की दूरी से पहचान सकती है. साथ ही यह प्रति मिनट 10 बार घूमने की क्षमता रखता है, जिससे यह 360 डिग्री का व्यापक कवरेज और पूरी निगरानी करता है.

तेजी से कहीं भी तैनात हो सकता है सूर्या रडार

सूर्या रडार को दो 6म6 हाई-मोबिलिटी वाहनों पर आधारित किया गया है, जिससे इसे किसी भी भौगोलिक परिस्थिति में आसानी से तैनात किया जा सकता है. यह रडार मोबाइल यूनिट के तौर पर कार्य करता है और इसमें कम ऊंचाई पर उड़ने वाले लक्ष्यों की पहचान के लिए 3ष्ठ रडार तकनीक भी मौजूद है.

मेक इन इंडिया का बेहतरीन उदाहरण

बिना किसी विदेशी तकनीकी सहायता के तैयार किया गया यह रडार भारत की रक्षा तकनीक में बढ़ती आत्मनिर्भरता की तस्वीर है. यह पूरी तरह स्वदेशी तकनीक पर आधारित है और देश के रक्षा क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है. रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यदि सूर्या रडार को भारत की स्वदेशी वायु रक्षा प्रणाली जैसे आकाश और त्रक्रस्ररूमिसाइल सिस्टम से जोड़ा जाए, तो यह चीन के स्टील्थ फाइटर छ्व-20 जैसे विमानों के लिए अत्यंत घातक साबित हो सकता है. गौरतलब है कि हाल ही में खबरें आई हैं कि चीन पाकिस्तान को छ्व-20 फाइटर जेट देने की योजना बना रहा है. सूर्या VHF रडार का निर्माण भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता और रणनीतिक दूरदर्शिता का प्रमाण है. यह रडार भारतीय वायुसेना को भविष्य की लड़ाइयों में एक निर्णायक बढ़त दिला सकता है, खासकर तब जब मुकाबला स्टील्थ तकनीक वाले एडवांस्ड फाइटर जेट्स से हो.

एनसीपी ने टोको तातुंग विधायक को अरुणाचल का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) टोको तातुंग विधायक, 16वें याचुली को तत्काल प्रभाव से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, अरुणाचल प्रदेश का नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त करने की घोषणा करते हुए प्रसन्न है। एनसीपी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री प्रफुल्ल पटेल ने माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अजीत पवार के मार्गदर्शन में नियुक्ति की मंजूरी दी है। राष्ट्रीय महासचिव और प्रभारी श्री अविनाश आदिक ने आज नियुक्ति पत्र जारी किया।

राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता श्री बृजमोहन श्रीवास्तव ने अपने प्रेस नोट में कहा कि श्री तातुंग के नेतृत्व से अरुणाचल प्रदेश में पार्टी की उपस्थिति और संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने के लिए नई ऊर्जा और प्रतिब?द्धता आने की उम्मीद है। एनसीपी अरुणाचल प्रदेश में पार्टी के मिशन को आगे बढ़ाने और इसके मूल्यों को बनाए रखने में उनके सक्रिय योगदान की आशा करती है। संजय प्रजापति, कोआरडिनेटर, नार्थ-ईस्ट, टोको तातुंग को नियुक्ति पत्र सौंपने के समय निकी कामिन, विधायक और श्री लिखा सोनी, विधायक भी मौजूद थे।

सोने और चांदी की कीमतों में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया

मुंबई, एजेंसी। आज मई महीने की आखिरी तारीख है। अगर आप आज शनिवार को सोना या चांदी खरीदने की सोच रहे है तो पहले 31 मई का ताजा भाव जान लीजिए। आज सोने और चांदी की कीमतों में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया है। नई कीमतों के बाद सोने के दाम 97000 और चांदी के भाव 99 हजार पर ट्रेंड कर रहे है। आज शनिवार को सराफा बाजार की ओर जारी सोने और चांदी के अनुसार आज 31 मई 2025 को 22 कैरेट सोने के दाम 89,350 , 24 कैरेट का भाव 97, 460 और 18 ग्राम सोने का रेट 73,110 रुपए पर ट्रेंड कर रहे है। वहीं 1 किलो चांदी का रेट 99, 900 हजार रुपए चल रहा है। 18 कैरेट सोने का आज का भाव दिल्ली सराफा बाजार में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 73 110/- रुपये। कोलकाता और मुंबई सराफा बाजार में 72, 990/- रुपये। इंदौर और भोपाल में सोने का भाव 73, 030 चल रहा है। चेन्नई सराफा बाजार में कीमत 73, 450/- रुपये पर ट्रेड कर रही है। 22 कैरेट सोने का आज का भाव भोपाल और इंदौर में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 89, 250/- रुपये । जयपुर, लखनऊ, दिल्ली सराफा बाजार में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 89,350/- रुपये । हैदराबाद, केरल, कोलकाता, मुंबई सराफा बाजार में 89, 200/- रुपये ट्रेंड कर रहा है।

24 कैरेट सोने का आज का भाव भोपाल और इंदौर में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 97 360 रुपये। दिल्ली जयपुर लखनऊ और चंडीगढ़ सराफा बाजार में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 97 460/- रुपये। हैदराबाद, केरल, बैंगलुरू और मुंबई सराफा बाजार में 97, 310/- रुपये । चेन्नई सराफा बाजार में कीमत 97,310/- रुपये पर ट्रेंड कर रहा है। जयपुर कोलकाता अहमदाबाद लखनऊ मुंबई दिल्ली सराफा बाजार में 01 किलोग्राम चांदी की कीमत 99, 900 रुपये चल रही है। चेन्नई, मदुरै , हैदराबाद,और केरल सराफा बाजार में कीमत 1,10,900/- रुपये। भोपाल और इंदौर में 1 किलो चांदी की कीमत 99, 900/ रुपए ट्रेंड कर रही है।

गैस पर 'ब्रेक' लगा रही अफसरशाही: मध्य प्रदेश में पीएनजी का सपना अब भी अधूरा!

भोपाल। औद्योगिक निवेश की रफ्तार हो या आमजन से जुड़े विकास कार्य, मध्यप्रदेश में ब्यूरोक्रेसी का अड़ंगा अब एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। घरेलू पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) का नेटवर्क बिछाने की योजना इसका बड़ा उदाहरण है। यहां अडानी जैसी दिग्गज कंपनी भी अफसरशाही की रफ्तार से मात खा गई है। गुजरात जैसे राज्य में जहां 35 लाख से अधिक घरों में पीएनजी गैस पहुंच चुकी है। वहीं मध्य प्रदेश अब भी 3 लाख कनेक्शन तक ही सीमित है। यानी गुजरात जहां चंद सालों में रिकॉर्ड बना रहा है, वहां मध्यप्रदेश 16 साल में भी बुनियादी ढांचे से जूझ रहा है। मजेदार विडंबना यह है कि जिस मध्यप्रदेश की धरती मीथेन जैसी बहुमूल्य गैस से भरपूर है, वहीं के लोग घरों में क्ब्ल्ल कनेक्शन के लिए तरस रहे हैं। राज्य के कई जिलों में मीथेन गैस के समृद्ध भंडार मिले हैं, लेकिन उपभोग का आधारभूत ढांचा अफसरशाही की वजह से खड़ा नहीं हो पा रहा। दमोह के सोन घाटी क्षेत्र के 24 गांवों में बोरिंग से आग निकलने की घटनाओं ने मीथेन गैस की मौजूदगी की पुष्टि की है। ह्रह्लष्ट यहां वाणिज्यिक उत्पादन की योजना बना रहा है। शहडोल जिले के सोहागपुर कोलफील्ड में रिलायंस इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड दो ष्टक्चरू ब्लॉक संचालित कर रही है। फिलहाल 0.64 मिलियन स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर प्रति दिन गैस का उत्पादन हो रहा है, जिसे तीन वर्षों में 1 द्वह्यष्द्वस्र तक बढ़ाया जाएगा। बैतूल के शाहपुर और घोड़ाडोंगरी क्षेत्रों में 37 हजार हेक्टेयर भूमि में मीथेन गैस के भंडार मिले हैं। यह स्थानीय विकास, ऊर्जा आत्मनिर्भरता और रोजगार सृजन में भूमिका निभा सकता है। राज्य में पीएनजी के विस्तार में दो सबसे बड़ी बाधाएं हैं। इनमें पहली विस्फोटक अधिनियम, 1884 के तहत जरूरी लाइसेंस की जटिल प्रक्रिया। दूसरा स्थानीय निकायों से सड़क खुदाई की अनुमति लेने में महीनों की देरी। लाइसेंस के लिए 6 से अधिक विभागों की मंजूरी लेनी होती है, और अफसरशाही का नकारात्मक रवैया कंपनियों के काम में रोड़ा बन रहा है।

एनसीएलएटी के आदेश ने वेदांता के डीमर्जर का मार्ग प्रशस्त किया

मुंबई, एजेंसी। नेशनल कंपनी लॉ अपेलट ट्रिब्यूनल (एनसीएलएटी) ने एनसीएलटी के मुंबई बेंच द्वारा दिए गए आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है, जिसके तहत वेदांता लिमिटेड के पावर बिज़नेस के डीमर्जर तथा परिणामी कंपनी तलवंडी साबो पावर लिमिटेड (टीएसपीएल) के साथ इसके मर्जर को खरिज़ कर दिया गया था। दो सदस्यों के बेंच ने लिखा कि स्टे देना उचित होगा। ''ऐसे में हमारे समक्ष पेश किए गए मुद्दे पर विस्तार से विचार करने की ज़रूरत है। वर्तमान में प्रस्तुत किए गए सबमिशन के मद्देनज़र योजना अलग हो सकती है और इसलिए अगर विवादित आदेश पर स्टे नहीं दिया जाता तो यह विभिन्न ट्रिब्यूनल्स में लंबित अन्य तीन स्थानान्तरणकर्ता कंपनियों के संदर्भ में दायर दूसरे मोशन ऐप्लीकेशन को प्रभावित कर सकता है।'' एनसीएलएटी ने अपने आदेश में कहा। अब एनसीएलएटी ने मामले की सुनवाई 4 अगस्त को तय की है। एक्सचेंज फाइलिंग में वेदांता लिमिटेड ने कहा कि यह अपनी सामरिक पुनर्गठन योजना के लिए प्रतिबद्ध है तथा सभी हितधारकों को दीर्घकालिक लाभ उपलब्ध कराने के लिए कार्यरत है।

केनव्यू और इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स दिल्ली ने बेबी की संवेदनशील त्वचा की देखभाल में कोलाइडल ओटमील की प्रभावशीलता पर प्रकाश डाला

मुंबई, एजेंसी। संवेदनशील त्वचा के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध, रेवेन्यू के हिसाब से दुनिया की सबसे बड़ी उपभोक्ता स्वास्थ्य कंपनी केनव्यू ने इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स दिल्ली के साथ मिलकर 'ओट नेचर लैब' का आयोजन किया। बेबीज़ की संवेदनशील त्वचा के लिए एविडेंस-बेस्ड केयर रोज़ाना देने के महत्व और इस गंभीर स्वास्थ्य स्थिति को संबोधित करने के लिए कोलाइडल ओट पर आधारित त्वचा देखभाल की भूमिका पर इसमें प्रकाश डाला गया। एटोपिक डर्माटाइटिस, एक्जिमा ज़ेरोसिस और डायपर डर्माटाइटिस जैसी संवेदनशील त्वचा की तकलीफे बढ़ रही हैं। दुनिया भर में एटोपिक डर्माटाइटिस से बेबीज़ वयस्कों की तुलना में दोगुने ज़्यादा प्रभावित होते हैं। पिछले दशक में, शहरीकरण, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन, तापमान और आर्द्रता बढ़ने के कारण भारतीय बच्चों में संवेदनशील त्वचा की तकलीफे बढ़ रही हैं। एक नए भारतीय विशेषज्ञों की आम सहमति और आईएपी के इनपुट के अनुसार, एटोपिक डर्माटाइटिस से पीड़ित भारतीय बच्चों की संख्या 20-39 प्रतिशत से बढ़ रही है। पीडियाट्रिक ओपीडी में लगभग 30 प्रतिशत बेबी त्वचा संबंधी विकारों[2] की शिकायतों के लिए लाए जाते हैं। उनके लिए एटोपिक डर्माटाइटिस के प्रबंधन में मदद के लिए जल्द से जल्द इलाज की आवश्यकता होती है। फिर भी, नवजात शिशु या छोटे बेबी की त्वचा की देखभाल पर उचित ध्यान नहीं दिया जाता है, जिसका सीधा असर बेबी की कुल जीवन गुणवत्ता पर और परिवार की खुशहाली पर पड़ता है।

क्रॉम्प्टन ने वर्ल्ड इंटीरियर्स डे का मनाया जश्न, पेश किया अपना स्कल्प्टेड मार्वल - साइलेंटप्रो फ्लूइडो सीरीज

मुंबई, एजेंसी। वर्ल्ड इंटीरियर्स डे विश्व इंटीरियर दिवस के अवसर पर, भारत के नंबर 1 फैन ब्रांड क्रॉम्प्टन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने साइलेंटप्रो फ्लूइडो वेव का अनावरण किया - इसका नवीनतम नवाचार जो उच्च प्रदर्शन को डिज़ाइन को प्राथमिकता देने वाली सोच से जोड़ता है।

वर्ल्ड इंटीरियर्स डे के मौके पर, क्रॉम्प्टन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड - भारत का नंबर 1 फैन ब्रांड - ने अपना नया पंखा साइलेंटप्रो फ्लूइडो वेव लॉन्च किया है। ये पंखा सिर्फ हवा देने वाला नहीं बल्कि घर की सजावट में चार चांद लगाने वाला एक स्टाइलिश आइटम भी है। यह दिखने में एकदम नया और अलग है - यानी कि काम भी करेगा और कमरे की सुंदरता भी बढ़ाएगा। इस लॉन्च के साथ, क्रॉम्प्टन सीलिंग फैन के एक नए युग की शुरुआत कर रहा है – जहाँ खूबसूरत डिज़ाइन और बेहतरीन परफॉर्मेंस एक साथ आते हैं। क्रॉम्प्टन घर की ज़रूरतों को नए नज़रिए से देखता है, जहाँ एक आम उत्पाद को बारीकी से तराशकर एक डिज़ाइनर मास्टरपीस में बदला गया है। आजकल लोग ऐसे घरों को बहुत सोच-समझकर सजाते है जो उनकी व्यक्तिगत शैली को दर्शाता है, और अक्सर न्यूनतम और समकालीन सौंदर्यशास्त्र को तरजीह देते हैं। उन्हें सादगी और स्टाइल दोनों पसंद हैं। वे सजावट की हर चीज़ का सोच-समझकर चुनाव करते है ताकि घर का हर कोना एकजैसा और दिखने में खूबसूरत लगे। हालांकि, ज़्यादातर सीलिंग फैन अब भी सिर्फ चलने के लिए लगाए जाते है, जो जरूरत का सामान बने हैं लेकिन आधुनिक इंटीरियर से मेल नहीं खाते।

अब उपभोक्ता ऐसे पंखे चाहते है जो बढ़िया परफार्मेंस दे और सजावट को और बेहतर बनाए, यानि जगह की खूबसूरती बढ़ाए। इस बदलाव के चलते डिजाइनर पंखों की मांग बढ़ गई हैं जो बदलती सोच के अनुरूप हों और घर के हर पहलू में सुंदरता के बढ़ते महत्व को दर्शाएं। क्रॉम्प्टन की सोच हैं कि नवाचार अब वैकल्पिक नहीं - यह आवश्यक है। जैसे-जैसे घर अब व्यक्ति की पसंद और स्टाइल को दर्शाने वाली खास जगह बनते जा रहे हैं, क्रॉम्प्टन अपने साइलेंटप्रो फ्लूइडो वेव के ज़रिए इस बदलाव में अग्रणी है।

लाखों में एक: इंदौर में डॉक्टरों ने एक ही सर्जरी में किया अत्यधिक एस्टिग्मैटिज़्म, मोतियाबिंद और केराटोकोनस का सफल इलाज

इंदौर, एजेंसी। जब 48 वर्षीय राजेश (बदला हुआ नाम) 26 फरवरी 2025 को इंदौर स्थित संकरा आई हॉस्पिटल पहुंचे, तब वे पहले ही तीन दशकों से ऐसे मोटे चश्मे पहन रहे थे, जो शायद ही किसी ऑप्टोमेट्रिस्ट ने पहले देखे हों – उनकी चश्मे की पावर -14.0 डायॉप्टर एस्टिग्मैटिज़्म थी। यह सिर्फ एक मेडिकल समस्या नहीं थी; उनकी दृष्टि की यह परेशानी उनके जीवन की लय को निर्धारित करती थी – उनके काम से लेकर सामाजिक जीवन तक, सब पर इसका असर था।

राजेश, जो एक निजी कंपनी में काम करते हैं, दिन में आठ घंटे से अधिक समय कंप्यूटर स्क्रीन के सामने बिताते हैं। उनकी पत्नी गृहिणी हैं, और अन्य कई परिवारों की तरह उन्हें भी आर्थिक जिम्मेदारियों को संतुलित करना होता था। उनकी खराब दृष्टि ने उन्हें दिन-ब-दिन दूसरों पर निर्भर बना दिया था – वे ड्राइव नहीं कर सकते थे, स्क्रीन देखने में कठिनाई होती थी, और साधारण कामों में भी मदद की ज़रूरत पड़ती थी। धीरे-धीरे, उन्होंने सामान्य जीवन जीने का आत्मविश्वास खो दिया था।

लेकिन राजेश सिर्फ अत्यधिक एस्टिग्मैटिज़्म से ही नहीं जूझ रहे थे। उन्हें आंखों की तीन जटिल समस्याओं का असामान्य संयोजन था- उन्नत केरेटोकोनस, उन्नत मोतियाबिंद, और अत्यधिक एस्टिग्मैटिज़्म। -14.0 डायॉप्टर से अधिक का एस्टिग्मैटिज़्म सामान्य इंट्राओक्युलर लेंस की सुधार सीमा से कहीं बाहर है। जबकि इन स्थितियों का अलग-अलग इलाज किया जा सकता है, एक साथ इन तीनों का होना डॉक्टरों के लिए एक अत्यंत दुर्लभ और चुनौतीपूर्ण मामला था। ऐसे केस हमें लाख में एक बार देखने को मिलते हैं, संकरा आई हॉस्पिटल, इंदौर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी और कॉर्निया एवं मोतियाबिंद विशेषज्ञ, डॉ. अंकित देओकर ने कहा।

लेकिन संकरा की टीम – डॉ. देओकर और ऑप्टोमेट्रिस्ट श्री क्रिजन के नेतृत्व में – हिम्मत नहीं हारी।

टेंपो से मेट्रो तक का सफर

इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव का कॉलम

कालचक्र साक्षी होता है, किसी शहर के जीवन के ऐतिहासिक परिवर्तनों का, देवी अहिल्या की नगरी इंदौर ऐसे अनेकों परिवर्तन से गुजरते हुए आज विकास की नई इबारत मेट्रो के सफर तक पहुंच चुकी है। हम पीछे मुड़कर देखें तो एक दौर था, जब आवाजें आती थी,चलो हटो भाई, राजबाडा चलोगी क्या बहन जी, टेशन ङ्क टेशन, नेहरु पार्क, चिड़ियाघर, बड़ी जबरदस्त आवाज करता हुआ टेंपो दनदनाता हुआ निकलता था। जिस रास्ते से टेंपो गुजरता था काला धुआं छा जाता था। सवारी तो जितनी ज्यादा आ जाए उतनी कम थी। जनसंख्या के दबाव के घनत्व में बढ़ते इंदौर को सशक्त इच्छाशक्ति वाले राजनीतिक नेतृत्व की प्राप्ति हुई, भारतीय जनता पार्टी की निगम परिषद आने के बाद इंदौर में लोकपरिवहन के क्षेत्र में ऐतिहासिक प्रगति हुई है। जब श्री कैलाश विजयवर्गीय इंदौर के महापौर बने तब, टेंपो की विदाई हुई और लोक परिवहन का तत्कालीन साधन नगर सेवा टाटा 407 पर बनी मिनी बस मुख्य भूमिका में आई, सवारी के लिए रेस लगाती नगर सेवाओं पर स्पीड लिमिट व्यवस्था लागु की गई, शहर हित में यह विचार आया लोक परिवहन के क्षेत्र में सिटी बस का मॉडल लागू हो, धीरे धीरे सिस्टेमैटिक बस स्टॉप, और व्यवस्थित किराया व्यवस्था, पास जैसी सुविधाएं आम जनता को प्राप्त होने लगी।

सोने पर सुहागा की तर्ज पर इंदौर के विकास को मध्य प्रदेश, और केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की नेतृत्व की सरकार का विशेष आशीर्वाद प्राप्त होने लगा भारत,रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर अटल बस सर्विस आज इंदौर की जान है, लाखों यात्री, विद्यार्थी, इसमें सफर करते हैं। देश के सर्वश्रेष्ठ लोक परिवहन बस सिस्टम में से एक है।

जैसे-जैसे इंदौर आगे बढ़ता गया परिवहन व्यवस्था पर दबाव भी कई गुना बढ़ता गया, आज देश में सबसे तेज बढ़ते 10 शहरों में इंदौर प्रमुख है, हमारे शहर की चहुंमुखी प्रगति कानून व्यवस्था, रहन, सहन संस्कार स्वच्छता और नवाचार इंदौर को प्रदेश व देश के श्रेष्ठतम रहने लायक शहरों में से एक बनाते है। 31 मई 2025 इंदौर की विकास यात्रा मे मिल का पत्थर सिद्ध होने जा रही है। इंदौर मेट्रो सिर्फ एक परिवहन का साधन नहीं इंदौर की नवआकांक्षाओं की उड़ान सिद्ध होगा।

देवी अहिल्या की 300 वीं जयंती के पावन अवसर पर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्चुअल शुभारंभ से, मध्य प्रदेश के जन मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी की उपस्थिति में कल इंदौर में देवी अहिल्या टर्मिनल गांधीनगर से इंदौर मेट्रो प्रारंभ हो रही है। मैंने अक्सर यह कहा है, मेट्रो सिर्फ एक ट्रेन नहीं इंदौर के विकास की गति, विकास की दिशा और देश के श्रेष्ठतम शहरों में स्थान तय करने वाला ऐतिहासिक घटनाक्रम है, इंदौर ने चाल से लेकर शॉपिंग मॉल तक-और टेंपो से मेट्रो तक का सफर इंदौर के नागरिकों के शहर के प्रति समर्पण, कुशल राजनैतिक नेतृत्व की इच्छाशक्ति विशेष रूप से देश के प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी की भविष्य दृष्टि की विकासात्मक सोच2 के आधार पर पूर्ण किया है।

सांसद ने नई ट्रेन चलाने एवं रेल सुविधाओं के विस्तार करने के लिए रखे कई प्रस्ताव

नागपुर में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की बैठक में शामिल हुए सांसद बंटी साहू

छिंदवाड़ा। अपने संसदीय क्षेत्र छिंदवाड़ा पांढुरना में रेल सुविधाओं के विस्तार और रेल यात्रियों को बेहतर सहूलियत उपलब्ध कराने सांसद बंटी विवेक साहू सतत् प्रयास कर रहे हैं। उन्हीं के प्रयासों का नतीजा है कि रेल सुविधाओं में लगातार इजाफा हो रहा है। इसी क्रम में नागपुर में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की बैठक में सांसद ने वरिष्ठ रेल अधिकारियों के समक्ष छिंदवाड़ा पांढुरना की रेलवे से संबंधित विषयों को रखकर सुविधाओं को उपलब्ध कराने की मांग की।

शुक्रवार को हुई इस बैठक में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के क्षेत्र में आने वाले जिलों के सांसद शामिल हुए। इस बैठक में सांसद बंटी विवेक साहू ने छिंदवाड़ा और पांढुर्णा जिले के रेलवे स्टेशनों में सुविधाएं बढ़ाने के साथ ही नई ट्रेनें शुरू करने के प्रस्ताव रखे। बैठक में नागपुर मंडल के रेल महाप्रबंधक सहित रेलवे के उच्च अधिकारी शामिल हुए। बैठक में सांसद श्री साहू ने छिंदवाड़ा चारफाटक में अंडरब्रिज बनाने के साथ ही नरसिंहपुर रोड के लिए नये ब्रिज का निर्माण कर पुराने ब्रिज में जोड़ने का प्रस्ताव रखते हुए ब्रिज के दोनों ओर सिग्नल लगाने की मांग भी की। उन्होंने छिंदवाड़ा को मुंबई से जोड़ने के लिए सेवाग्राम एक्सप्रेस ट्रेन को छिंदवाड़ा तक बढ़ाने के प्रस्ताव के साथ ही छिंदवाड़ा से नागपुर तक रेल लाईन के दोहरीकरण की मांग की।

क्षेत्र के समुचित विकास के लिए प्रयासरत सांसद श्री विवेक साहू ने छिंदवाड़ा से नैनपुर और नागपुर के लिए मेमू ट्रेन चलाने, छिंदवाड़ा से भोपाल तक इंटरसिटी ट्रेन चलाने, पेंचेवली ट्रेन में थर्ड एसी का कोच बढ़ाने, लोधीखेड़ा में रैक पाईट बढ़ाने, छिंदवाड़ा रेलवे स्टेशन में महिलाओं के लिए अलग से प्रतीक्षालय की सुविधा उपलब्ध कराने के साथ ही यहां पर जन औषधि केन्द्र शुरू करने की भी बात रखी। सांसद ने पातालकोट एक्सप्रेस ट्रेन को फिरोजपुर की बजाए अमृतसर व लुधियाना तक बढ़ाने के साथ ही छिंदवाड़ा से सागर नई रेल लाईन का सर्वे शीघ्र करने, पातालकोट ट्रेन का सोनागिरी में स्टापेज देने, नागपुर शहडोल ट्रेन का चौरई में स्टापेज देने के साथ ही नागपुर से जबलपुर चलने वाली ट्रेनों को छिंदवाड़ा होते हुए डायवर्टेड करने की मांग रखी। सांसद श्री साहू ने छिंदवाड़ा स्टेशन में पिट लाईन का निर्माण की मांग रखते हुए कहा कि शहडोल और रीवा ट्रेनों की सेफ्टी की जांच एवं साफ-सफाई करने की व्यवस्था छिंदवाड़ा में की जाये। क्षेत्रीय सांसदों की इस महत्वपूर्ण बैठक में सांसद बंटी विवेक साहू द्वारा रखे गए प्रस्तावों और सुझावों पर रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों ने शीघ्र अतिशीघ्र परियोजनाओं को पूरा करने और यात्रियों को बेहतर रेल सुविधाएं उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। बैठक में प्रमुख रूप से रेलवे के महाप्रबंधक तरूण प्रकाश, मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार गुप्ता सहित दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी एवं रेलवे के इस क्षेत्र से संबंधित सांसद उपस्थित थे।

खिलाड़ियों का किया सम्मान

छिंदवाड़ा। खेलो इंडिया यूथ गेम्स के तहत दमनदीव में आयोजित फुटबाल टूर्नामेंट में छिंदवाड़ा की महिला खिलाड़ियों ने मध्यप्रदेश की टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया था। मध्यप्रदेश की टीम में शामिल महिला खिलाड़ियों के छिंदवाड़ा लौटने पर सांसद बंटी विवेक साहू ने उनका सांसद कार्यालय में सम्मान किया। इस अवसर पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए सांसद ने कहा कि प्रतिभा शाली खिलाड़ी बच्चों से मिलना मेरे मन में नई स्फूर्ति का संचार कर देता है। उल्लेखनीय है कि हमारे लिए यह गौरव का विषय है कि खेलो इंडिया यूथ गेम्स के तहत दमन दीव में आयोजित इस प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश की टीम ने आंध्रप्रदेश को हराकर सेमी फाइनल में अपनी जगह बनाई। छिंदवाड़ा फुटबॉल संघ की ओर से रिंकी ठाकुर, शुभांगी ब्राम्ही, उमा, नीलिमा बट्टी ने प्रतियोगिता में प्रतिनिधित्व कर शानदार प्रदर्शन किया।

कमलनाथ का मुख्यमंत्री बनना उनकी सबसे बड़ी भूल थी: पूर्व मंत्री दीपक सक्सेना

नकुलनाथ कांग्रेस से चुनाव लड़ेंगे तो चुनाव हार जाएंगे

गोविन्द चौरसिया

छिंदवाड़ा। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के हनुमान कहे जाने वाले पूर्व मंत्री दीपक सक्सेना ने विगत दिनों चर्चा में कहा कि प्रदेश में कमलनाथ जी का मुख्यमंत्री बनना जीवन में उनकी सबसे बड़ी भूल थी उन्हें किंगमेकर की तरह किसी ओर को मुख्यमंत्री बनाना था। डेढ़ साल की सरकार में उन्होने अपने नौकरों के भरोसे सरकार छोड़ दिया जिन्होने लोगों की उपेक्षाएं प्रारंभ कर दी। मैने कमलनाथ जी के लिए सीट छोड़ी वे चाहते तो मुझे किसी कारपोरेशन में चेयरमेन बनवा सकते थे।

कमलनाथ के मुख्यमंत्री बनते ही गंगातिवारी, संजय श्रीवास्तव ने कमलनाथ के कान भरना प्रारंभ कर दिया और उन्होने मेरी उपेक्षा प्रारंभ कर दी। मेरे इस्तीफा देने के बाद कमलनाथ ने कहा था कि दीपक तुम लोकसभा लड़ लो किन्तु मैने कहा कि आपकी इच्छा नकुलनाथ को लड़ाने की है। आप नकुलनाथ को चुनाव लड़वायें और 2019 में नकुलनाथ को चुनाव जितवाया। क्या नकुलनाथ ने आपको कभी सम्मान नहीं दिया ऐसी चर्चा है। दीपक सक्सेना ने कहा कि नकुलनाथ ने मुझे हमेशा सम्मान दिया वे मुझे दीपक भैया के नाम से ही संबोधित करते थे। दीपक सक्सेना ने कहा कि कमलनाथ मुख्यमंत्री रहते विधानसभा चुनाव लड़े तो हमने बंटी साहू को हराने का पूरा प्रयास किया और रोहना बूथ हम जीते किन्तु मेरी उपेक्षा जारी रही। विधानसभा चुनाव में मेरी विधानसभा सीट पर ही मुझे कहा जाता था कि आप यहां न जायें वहां न जायें। नकुलनाथ ने चुनाव में मेरे से ज्यादा महापौर विक्रम अहके एवं सोनू मागों को ज्यादा महत्व दिया वे हेलीकाप्टर में सोनू मागो और विक्रम आहके को ले जाते थे। मैने ट्रांसफर के लिए तीन नाम दिये जिस पर कमलनाथ ने कहा कि मिगलानी इसे कर दो किन्तु मिगलानी ने नहीं किया। कमलनाथ के सामने मेरी उपेक्षा होती रही और कमलनाथ चुप रहे। जब ये मुख्यमंत्री नहीं थे तब भी उपेक्षा जारी रही जिससे मैं बहुत आहत हुआ। 2024 के लोकसभा चुनाव में कमलनाथ ने मुझे पूछा कि नकुलनाथ चुनाव लड़ेंगे तो मैने कहा कि देश में डबल इंजन की सरकार है नकुलनाथ को लड़वाना है तो भाजपा से लड़वाया जाए, कांग्रेस से चुनाव नकुलनाथ हार जाएंगे। लगातार उपेक्षा होते देख मैने कांग्रेस छोड़ने का निर्णय लिया जो कि मैने उन्हें बता दिया था। मेरे यहां मुख्यमंत्री मोहन यादव एवं कैलाश विजय वर्गीय एवं अन्य नेता आये थे उन्होने मेरा स्वागत करते हुए कहा कि पार्टी में आपका सम्मान बरकरार रहेगा। मैं अपने समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हो गया मेरा बेटा भी अजय सक्सेना भाजपा में है और वहीं सक्रिय है। पूर्व की तरह हम भाजपा में रहकर जनता की सेवा कर रहे हैं। भाजपा में व्यक्ति का नहीं संगठन का महत्व है संगठन के बल पर ही आज भाजपा देश में सत्ता में है। भाजपा में उन्हें पूरा सम्मान मिल रहा है, और वे खुश हैं। कमलनाथ अब वृद्ध हो गए हैं और बीमार रहते हैं। उनके चुनाव लड़ने का प्रश्न ही नहीं उठता भविष्य में कांग्रेस में क्या समीकरण बनेंगे यह तो वे ही जाने। छिंदवाड़ा संगठन में जो स्थिति चल रही है उसको लेकर मैने बंटी साहू से कहा कि सबको लेकर चलेंगे क्योंकि पार्टी संगठन आधारित है यहां संगठन का महत्व है व्यक्ति का नहीं।

सटोरियों के खिलाफ बना मामला

अमरवाड़ा। थाना अंतर्गत लगातार अवैध रूप से शराब एवं सट्टा की की शिकायत प्राप्त होने पर नगर निरीक्षक राजेंद्र धुर्वे ने पुलिस विभाग की एक टीम गठित कर जिसमें थानेदार विजेंद्र मार्को सहायक उप निरीक्षक द्वारका पाल रजनीश सोनी नूर सिंह बघेल, राजकुमार सनोडीया की टीम बनाकर क्षेत्र में अब धंधा करने वालों के ऊपर रेड कार्रवाई कराई जिसमें बस स्टैंड अमरवाड़ा में नई आबादी निवासी जितेंद्र को सट्टा पट्टी काटते हुए एवं चंद्रशेखर नामक व्यक्ति को सट्टा खिलाकर अवैध रूप से धन अर्जित करने पर 4 (का)सत्ता एक्ट में प्रकरण पंजीबद्ध किया गया किया गया है

अवैध शराब की गई बरामद

अमरवाड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पटनिया निवासी सीमा के पास से 10 लीटर कच्ची महुआ की शराब, चंदन गांव निवासी बब्लेश के पास से 6 लीटर अवैध शराब मंदानगढ़ की भिलंबती के पास से 8 लीटर शराब अमरवाड़ा निवासी कृष्ण के पास से 6 लीटर कच्ची देसी महुआ की शराब पिपरिया निवासी गुलाब के पास से 5 लीटर बेचते हुए कच्ची महुआ की शराब बरामद किया इस कार्रवाई में थानेदार विजेंद्र मार्को सहायक उप निरीक्षक द्वारका पाल नूर सिंह बघेल राजकुमार सनोदिया ने सभी आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम में प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया।

विश्वेन्द्र सिंह बैस बने अध्यक्ष

दत्तात्रेय मंदिर समिति का हुआ गठन

छिंदवाड़ा। सत्ती चौक रघुवंशीपुरा वार्ड नंबर 27 में स्थित श्री गुरूदेव दत्तात्रेय मंदिर समिति की बैठक का आयोजन दिनांक 29 मई 2025 दिन गुरूवार को किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से पुरानी कार्यकारिणी भंग कर नई कार्यकारिणी का गठन हुआ है, इस नवीन कार्यकारिणी में अध्यक्ष ठाकुर विश्वेन्द्र सिंह बैस, उपाध्यक्ष कृष्णा ताम्रकार एवं नीरज सोनी, सचिव आकाश बैस, कोषाध्यक्ष संजय सेंगर, अंकित चौरसिया, सह सचिव सौरभ यादव, रोहित सोनी, सोशल मीडिया प्रभारी युवराज बैस, स्वयं ताम्रकार, आयुष पटेल, यश राजपूत, अनिकेत सोनी, मंदिर पूजन प्रभारी पीयूष शर्मा, प्रकाश बैस, लक्की, राहुल सोनी, प्रणय कटाईत, आशु सोनी, सक्षम सूर्यवंशी, संरक्षक के पद पर प्रवीण सोनी, राकेश सोनी, शेखर विश्वकर्मा, आशीष विश्वकर्मा की नियुक्ति की गई है।

आज से प्रारंभ होगी क्रिकेट प्रतियोगिता आदिवासी प्रीमियर लीग

छिंदवाड़ा। नगर निगम छिंदवाड़ा महापौर विक्रम अहके द्वारा आदिवासी प्रीमियर लीग का आयोजन स्थानीय इनर ग्राउंड में आज किया जा रहा है। लीग के आयोजक

महापौर विक्रम अहके ने बताया कि आज सुबह 09 बजे से आयोजित होने वाली इस लीग में आदिवासी वर्ग के युवाओं को क्रिकेट प्रतियोगिता के माध्यम से प्लेटफार्म उपलब्ध कराया जा रहा है, जिसमें विजेता टीम को जबकि उपविजेता टीम को नगद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही अन्य आकर्षक पुरस्कार मेन ऑफ द टूर्नामेंट, बेस्ट बैटर, बेस्ट बॉलर, बेस्ट फील्डर एवं सभी मैच में मेन ऑफ द मैच के पुरस्कार वितरित किए जाएगा। इस प्रतियोगिता के आयोजन के मुख्य अतिथि सांसद बंटी विवेक साहू, संरक्षक पूर्व राज्यपाल सुश्री अनुसुइया उईके, कार्यक्रम अध्यक्ष जिला भाजपा अध्यक्ष शेषराव यादव एवं अमरवाड़ा विधायक कमलेश शाह, विशिष्ट अतिथि जिला कलेक्टर शीलेंद्र सिंह एवं पुलिस अधीक्षक अजय पांडे होंगे।

सम्बल हितग्राहियों को अंत्येष्टि सहायता राशि नपा अध्यक्ष बरदे की प्रदान

सांध्य प्रकाश सारनी। नगर पालिका परिषद सारनी द्वारा वार्ड न दो मे संबल योजना तहत दो हितग्राहियों को अंत्येष्टि सहायता राशि प्रदान की। नगर पालिका अध्यक्ष

किशोर बरदे ने दुखी परिवार को आर्थिक मदद के लिए तत्काल पार्षद छाया अतुलकर एवं योजना शाखा से रामराज यादव उपस्थिति मे 2 के हितग्राहि सुनीता उइके एवं वार्ड 1 के हितग्राहि बिंदु पिल्ले को 5-5 हजार की अंत्येष्टि सहायता राशि प्रदान की गई।हितग्राही परिवार ने न पा अध्यक्ष एवं नगरपालिका का आभार व्यक्त किया

मासूम बालक के अपहरणकर्ता को पुलिस ने धरदबोचा

पुलिस अधीक्षक ने स्वयं संभाला मोर्चा, तीन घंटे के अंदर सकुशल छुड़ाया

छिंदवाड़ा। पुलिस की बड़ी सफलता अपहरण की सूचना के 3 घंटों के भीतर 2 वर्षीय मासूम बालक को सकुशल किया दस्तयाब, दो आरोपियों को पुलिस ने मौके से किया गिरफ्तार। मासूम के अपहरण की सूचना मिलने पर पुलिस ने तीन घंटे के अंदर बालक को सकुशल छुड़ा लिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अजय पांडे ने स्वयं देर रात मोर्चा संभालते हुए अपनी टीम के साथ तामिया पहुंचकर ऑपरेशन का नेतृत्व किया। गत दरम्यानी रात्रि जिला रायसेन पुलिस द्वारा से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम पालोहा,

थाना बेगमगंज, जिला रायसेन निवासी योगेंद्र पटेल के 2 वर्षीय पुत्र का कुछ अज्ञात व्यक्तियों द्वारा अपहरण कर लिया गया है, अपहरणकर्ताओं द्वारा फिरौती की मांग की जा रही है। रायसेन पुलिस द्वारा उपलब्ध कराए गए तकनीकी साक्ष्यों के विश्लेषण से यह संकेत प्राप्त हुआ कि आरोपीगण छिंदवाड़ा जिले के थाना तामिया क्षेत्र में छिपे हो सकते हैं, घटना की गंभीरता और संवेदनशीलता को देखते हुए छिंदवाड़ा पुलिस अधीक्षक स्वयं देर रात्रि मुख्यालय की विशेष टीम के साथ तामिया क्षेत्र के लिए रवाना हुए, मौका स्थल पर पहुंचकर एवं थाना तामिया प्रभारी निरीक्षक आशीष जैतवार को थाना क्षेत्र में संदेही व्यक्तियों की तत्काल तलाश के निर्देश दिए गए। पुलिस टीम द्वारा उपलब्ध तकनीकी इनपुट का गहनता से विश्लेषण कर संभावित ठिकाने की पहचान ग्राम साझकुई थाना तामिया में की गयी गई। टीम द्वारा घेराबंदी कर 2 वर्षीय मासूम बालक को सकुशल दस्तयाब किया गया, मौके से दो आरोपियो राहुल पिता वीरेन्द्र कुमार पटेल (उम्र 30 वर्ष), निवासी करोला, जिला रायसेन,उमेश गौर पिता सुशील गौर (उम्र 22 वर्ष), निवासी करोला, थाना बेगमगंज, जिला रायसेन गिरहफ्तार किया गया। आरोपीगण द्वारा स्वीकार किया कि उन्होंने फिरौती के उद्देश्य से बालक का अपहरण किया था।

पति की हत्या की आरोपी पत्नि को उम्रकैद की सजा

पांढुर्ना अपर जिला एवं सत्र न्यायालय ने पति की हत्या के मामले में पत्नी को दोषी पाते हुए उसे उम्रकैद की सजा सुनाई है कोर्ट ने यह फैसला सुनाया अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीरज सोनी ने बताया कि घटना 9 अक्टूम्ब 2022 लांघा गांव की है आरोपी मीराबाई ने अपने शराबी पति घनश्याम पराड़कर की गमछे से मुंह दबाकर हत्या कर दी थी इसके बाद उसने खटिया के नीचे गडडा खोदकर शव को आधा दफन कर दिया था शिकायत पर पुलिस ने 302 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया लोक अभियोजक प्रकाश बावने ने इस केस की पैरवी की।

बलात्कार करने वाले अपराधी को सात साल की सजा

महेंद्र मांगोदिया अपर सत्र न्यायालय जुन्नारदेव के द्वारा सत्र प्रकरण क्रमांक 01/2022 मे आरोपी अशोक पिता सुख लाल को बलात्कार के मामले में सात साल के कारावास से दंडित किया गया शासकीय अधिवक्ता /अपर लोक अभियोजक पंकज श्रीवास्तव ने बताया गया की पीड़िता को आरोपी ने विधीपूर्ण संरक्षता से अपने साथ अपहरण करके ले गया और पीड़िता के साथ उसकी इच्छा के विरुद्ध जबरदस्ती बलात्कार किया था पीड़िता के द्वारा 19 जनवरी 2005 को थाना तामिया में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोपी को 363 भा. द.वि.में तीन वर्ष कारावास और 1000 रुपए का जुर्माना धारा 366 भा. द .वि .में पांच वर्ष कारावास 1000 रू जुर्माना एवं 376 भा. द. वि. में सात वर्ष कारावास एवं 1000 रुपए जुर्माना से दंडित किया गया है।

महिला कानूनों से संबंधित जागरूकता अभियान

छिंदवाड़ा। जन कल्याणी पर्व लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की जयंती वर्ष के अवसर पर* महिला सुरक्षा शाखा म.प्र. पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा संचालित जागरूकता अभियान के तहत, अजय पाण्डे पुलिस अधीक्षक छिन्दवाडा एवं आयुष गुप्ता अति. पुलिस अधीक्षक छिन्दवाडा के निर्देशन में* महिला कानूनों से संबंधित जागरूकता अभियान में उप पुलिस अधीक्षक प्रियंका पाण्डेय महिला सुरक्षा शाखा छिन्दवाडा एवं निरीक्षक कंचन राजपूत महिला थाना प्रभारी के द्वारा जिले में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये गये। जिसमें कौशल विकास केन्द्र बाबा रामदेव नगर मे नये कानूनों पर जागरूकता अभियान तथा पुलिस कन्ट्रोल रूम छिन्दवाडा से महिला पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियो की वाहन रैली निकाली गई, जो शहर के मुख्य मार्गों और शहर के संवेदनशील संस्थानो से होते हुए जागरूकता संदेश के साथ वापस पुलिस कन्ट्रोल रूम छिन्दवाडा में समाप्त हुई। इसी प्रकार जिलें के अन्य थाना क्षेत्रों के मोहल्ले एवं बस्तियो में, सार्वजिक स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये गये। जागकरुता का उद्देश्य महिलाओं को स्वावलंबी बनाना तथा विभिन्न व्यावसायिक कौशलों में प्रशिक्षित करना है। साथ ही महिलाओं से संबंधित कानूनी अधिकारों की जानकारी, सायबर सुरक्षा व सोशल मीडिया पर सुरक्षित व्यवहार विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा जानकारी विशेष सत्र लिये गये। कार्यक्रम का एक विशेष आकर्षण रहा महिला पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों की वाहन रैली निकाली गई, जिसमे जिलेभर की महिला पुलिस कर्मियों ने भाग लिया। यह रैली शहर के मुख्य मार्गो से होकर गुजरी और रैली के माध्यम से जनमानस को महिला सुरक्षा, कानून जागरुकता और डिजिटल जागरुकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को न केवल उनके अधिकारों के प्रति जागरुक करना था। बल्कि उन्हे सुरक्षित समाज के निर्माण में भागीदार भी बनाना था। देवी अहिला बाई होल्कर की प्रेरणा से संचालित यह पहल निश्चित रुप से महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक प्रभावशाली कदम सिध्द होगा।

कमीशन की लालच में नगर निगम ने प्राइवेट जमीन पर बना दी सड़क

पीड़िता की आपत्तियों को किया नजर अंदाज

छिंदवाड़ा। नगर निगम छिंदवाड़ा के अंतर्गत आने वाले जगन्नाथ वार्ड के चूना भट्टा क्षेत्र में भ्रष्टाचार का एक बड़ा मामला सामने आया है। आरोप है कि

इंजीनियर और ठेकेदार की मिलीभगत से कमीशन के लालच में एक निजी ज़मीन पर अवैध रूप से सड़क का निर्माण कर दिया गया। इस ज़मीन की मालकिन पूजा पति मनोज राजपूत ने पहले ही दर्जनों बार नगर निगम में लिखित आपत्तियाँ दर्ज करवाई थीं, जिसमें स्पष्ट रूप से कहा गया था कि यह ज़मीन निजी है और इस पर किसी भी प्रकार का निर्माण न किया जाए। इसके बावजूद निर्माण कार्य जारी रहा।

शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं

पीड़िता का कहना है कि उसने निगम अधिकारियों को कई बार चेताया और लिखित में शिकायत दी, लेकिन हर बार उसे अनसुना कर दिया गया। ठेकेदार ने शिकायतों को दरकिनार करते हुए निर्माण कार्य पूरा कर लिया।

मोन स्वीकृति फिर भुगतान से किया इनकार

निगम के इंजीनियर के साथ मिलकर ठेकेदार द्वारा खेले गए खेल में जब मामला उजागर हुआ तो स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सड़क निर्माण पर आई लागत को मंजूर करने से इंजीनियर ने साफ इंकार कर दिया। इससे यह स्पष्ट होता है कि निर्माण कार्य बिना वैध अनुमति और प्रक्रिया के किया गया था।

महिला खिलाड़ियों को किया सम्मानित

देवी अहिल्या को बैडमिंटन संघ ने किया नमन

छिंदवाड़ा। जिला बैडमिंटन संघ के तत्वावधान में आयोजित निःशुल्क जिला स्तरीय ग्रीष्म कालीन समर केम्प के दौरान रानी अहिल्या बाई होल्कर जयन्ति समारोह के अंतर्गत बैडमिंटन संघ द्वारा महिलाओं के सम्मान में छिंदवाड़ा महिला गौरव सम्मान समारोह ओलंपिक स्टेडियम ग्राउंड में आयोजित किया गया इस अवसर पर जिले की उभरती महिला खिलाड़ी महिमा यादव,जानवी विश्वकर्मा, बानी साहू,लक्ष्मी मार्को,प्रकृति विश्वकर्मा, निष्ठा डेहरिया, संचिता यादव,अंकिता, तेजस्वनी,वन्दगी,मनुश्री को विशेष रूप से आयोजन समिति द्वारा पुरुस्कृत किया गया कार्यक्रम के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह व अतिथियों द्वारा रानी अहिल्या बाई होल्कर के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला और उनके पदचिन्हों पर चलने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम की अध्यक्षता इंद्रजीत सिंह बैस ने की इस अवसर पर परमजीत विज,अनिल जैन, विनीता नेटी,रिद्धी नाहर,जावेद खान,राकेश चौरसिया,अज़हर खान,टी आर यादव,तरुण विश्वकर्मा,अमित सोनी,सैयदअश्शु अली,अलका रघुवंशी,ऋचा भांडुरिया, नीरजा मालवी कार्यक्रम का संचालन सचिव जावेद खान ने किया तथा आभार प्रदर्शन राकेश चौरसिया ने किया।

हल्की बारिश होने की संभावना

छिंदवाड़ा। मौसम पूर्वानुमान से प्राप्त जानकारी के अनुसार अगले 120 घंटो के दौरान (31 मई 04 जून 2025) घने से मध्यम बादल रहने एवं दिनांक 31.05.2025 को बिजली, तूफान/तेज़ हवा (50-60 किमी प्रति घंटा) के साथ हल्की बारिश दिनांक 01.06.2025, 03.06.2025 से 04.06.2025 को बिजली, तूफान/तेज़ हवा (40-50 किमी प्रति घंटा) के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है। अधिकतम तापमान 33-34 डिग्री सेन्टीग्रेट एवं न्यूनतम तापमान 25-26 डिग्री. सेन्टीग्रेट के मध्य रहने की संभावना है। अधिकतम सापेक्षित आर्द्रता 65-74 प्रतिशत एवं न्यूनतम सापेक्षित आर्द्रता 31-43 प्रतिशत रहने की संभावना है।

आज कमलनाथ व नकुलनाथ का होगा छिन्दवाड़ा आगमन

संगठनात्मक बैठकों में सम्मिलित होंगे नेताद्वय

छिन्दवाड़ा। मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं जिले के पूर्व सांसद नकुलनाथ का शनिवार को दोपहर 1 बजे विशेष वायुयान से ईमलीखेड़ा हवाई पट्टी पर आगमन होगा। आगमन उपरांत नेताद्वय जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों में सम्मिलित होंगे। मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं जिले के पूर्व सांसद नकुलनाथ छिन्दवाड़ा संसदीय क्षेत्र की सभी विधानसभाओं की आयोजित बैठकों में सम्मिलित होंगे। आयोजित बैठक में विधानसभा के समस्त प्रभारीगण, पर्यवेक्षकगण, ब्लॉक अध्यक्षगण, कार्यकारी अध्यक्षगण, ब्लॉक समन्वयकगण, उप ब्लॉक अध्यक्षगण, शहर अध्यक्षगण, क्षेत्रीय कमेटी के अध्यक्षगणों की बैठक में कमलनाथ एवं नकुलनाथ सम्मिलित होंगे। आयोजित बैठक में संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की जावेगी।

कांग्रेस नेता सिंह और आप नेता सोनी ने मुख्यमंत्री से क्षेत्र में व्यवस्था सुधारने और विकास कार्यो की मांग की

सांध्य प्रकाश राजेश नायर सारनी। मुख्यमंत्री मोहन यादव के कोल नगरी सारनी आगमन और की गई घोषणाओं को लेकर विपक्ष की प्रतिक्रिया सामने आने लगी है। वहिं क्षेत्र के कांग्रेस नेता विक्की सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा की क्षेत्र की जनता मुख्यमंत्री मोहन यादव की घोषणाओं से पूरी तरह संतुष्ट नही है। कहा कि विद्युत इकाईयों का भूमिपूजन जैसे कार्यों को प्राथमिकता देना चाहिए था। बाबा मठारदेव शिखर स्थल तक रोपवे निर्माण भूमिपूजित कोयला खदानों से उत्पादन नवीन इकाइयों के निर्माण कार्य का प्रारंभ किये जाने तथा विद्युत इकाईयों में वर्ष 2000 के पुर्व कि अनुकंपा नियुक्ति, सारनी को बाबा मठारदेव नगर को धार्मिक पवित्र नगरी घोषित करने सहित सीमेंट उद्योग सुखदाना में प्रस्तावित लघु उद्योग, संविदा शिक्षकों,आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाओं को मानदेय, वृद्धि,लाडली बहनों को तीन हजार रुपया प्रतिमाह दिए जाने, विधवा,परित्यक्त, निराश्रितो को पेंशन राशि तीन हजार रुपया किए जाने और शोभापुर खदान से शोभापुर ग्राम तक कोल सत्याग्रह में भूमिपूजीत सीसी सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ किए जाने की मांग की है। मुख्यमंत्री श्री यादव से क्षेत्र का वास्तविक विकास करने मांग की है। ताकि क्षेत्र से पलायन को रोका जा सके और युवाओं का रोजगार सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा की वे आश्चर्य है। कि मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि स्वतंत्रता समूह की महिलाओं को आगे बढ़ता देख माता और बहनों के लिए लाख रुपए प्रति माह की योजना बनाने पर काम चल रहा है। मातोश्री अहिल्यादेवी महिलाओं को बनाना

भाजपा सरकार का कर्तव्य बताया। लेकिन मझधार में अटकी क्षेत्र की ज्वलंत बड़ी समस्याओं का निराकरण करने के बारे में कोई घोषणाएं नही की गई।जिससे जनता भाजपा सरकार से संतुष्ट नही है। आम आदमी पार्टी के नेता अजय सोनी भी अपनी तीखी प्रतिक्रिया देते कहा मुख्यमंत्री श्री यादव ने घोषणाओं पर विशेष ध्यान नहीं दिया। क्षेत्र में ज्वलंत समस्या, बढ़ता पलायन, बेरोजगारी बढ़ते अपराध से सरकार पर जनता का विश्वास खत्म हो गया है। अपराधिक गतिविधियों में आई पी एल सट्टा,जुआ जैसे मामलों को रोकने में पुलिस नाकामयाब है। युवा नशे से बर्बाद हो रहे है। उन विषयों से भाजपा सरकार का कोई वास्ता नहीं है। उन्होंने क्षेत्र की बिगड़ी व्यवस्था को सुधारने के लिए मुख्य मंत्री मोहन यादव और आमला सारणी विद्यायक श्री पंडाग्रे को ध्यान की बात कही है।

सन्त आशाराम बापू के प्रकरण में न्याय सिद्धांतो के दुरुपयोग रोकने की मांग

छिंदवाड़ा। सामाजिक कार्यकर्ता भगवानदीन साहू के नेतृत्व में बहुत से धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों ने महामहिम राष्ट्रपति, मुख्य न्यायाधीश सुप्रीम कोर्ट, मुख्य न्यायाधीश हाई कोर्ट अहमदाबाद के नाम जिला

कलेक्टर को ज्ञापन सौंप कर सन्त आशाराम बापू के प्रकरण में संविधान के दुरुपयोग रोकने की मांग की। ज्ञापन में बताया कि समाचार पत्रों और न्यूज चैनलों के माध्यम से ज्ञात हुआ कि राष्टीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष एवं भाजपा के कद्दावर नेता ब्रजभूषण सिंह को सेशन कोर्ट ने पॉक्सो एक्ट में लगी धारा बन्द कर दी। न्यायालय ने बताया कि आरोप लगाने वाली पहलवान नाबालिग लड़की ने पुलिस को बयान दिए थे कि उसने दबाव में आकर ब्रजभूषण सिंह पर झूठा आरोप लगाया है। पुलिस की रिपोर्ट के आधार पर ब्रजभूषण सिह पर पॉक्सो एक्ट की धारा हटा कर केस बन्द कर दिया है। जबकि पॉक्सो एक्ट का नियम है कि आरोप दर्ज होते ही सबसे पहले आरोपी की गिरफ्तारी की जाती है बाद में जाँच। ठीक ऐसा ही प्रकरण सनातन संस्कृति के रक्षक सन्त आशाराम बापू का है जिसमें एक महिला आरोप लगाती है कि 20 वर्ष पहले उसके साथ छेड़छाड़ हुई थी। सूरत पुलिस बिना जांच पड़ताल कर मामला पॉक्सो एक्ट में पंजीबद्ध कर पूज्य बापूजी को गिरफ्तार करती है। फिर कुछ दिन बाद आरोप लगाने वाली लड़की न्यायालय में शपथ पत्र देती है कि उसने दबाव में आकर पूज्य बापूजी पर झूठा आरोप लगाया है उसका केस बन्द किया जाए। उस महिला की बात ना पुलिस मानती है और ना ही सूरत सेशन कोर्ट और इस फर्जी केस में जानबूझकर पूज्य बापूजी को उम्र कैद की सजा भी सुना देती हैं। भाजपा के बड़े नेता ब्रजभूषण सिंह पर पाक्सो एक्ट में 6-7 प्रकरण और दर्ज हैं पर आज तक गिरफ्तारी नहीं हुई। संविधान- एक, एक्ट- एक और अलग-अलग राज्य की पुलिस या अलग- अलग राज्य के न्यायालय अपने - अपने हिसाब से उसकी व्याख्या कर रहे हैं। 89 वर्षीय बुजुर्ग निर्दोष सन्त पूज्य बापूजी को माननीय सुप्रीम कोर्ट इलाज के लिए जमानत देता है उसी जमानत का अहमदाबाद उच्च न्यायालय विरोध करता है। क्या गुजरात में जन्म लेना या निवास करना गुनाह है या गुजरात भारत सरकार का हिस्सा नहीं है। न्याय व्यवस्था के जानकार लोगों का कहना है कि न्ययालय में मौजूद न्यायाधीश न्याय नहीं कर रहे सिर्फ नौकरी कर रहें हैं वो भी राजनीतिक दबाव में। यह संविधान का घोर दुरूपयोग है। इससे न्याय व्यवस्था की छवि खराब हो रही है।

मध्यप्रदेश शासन

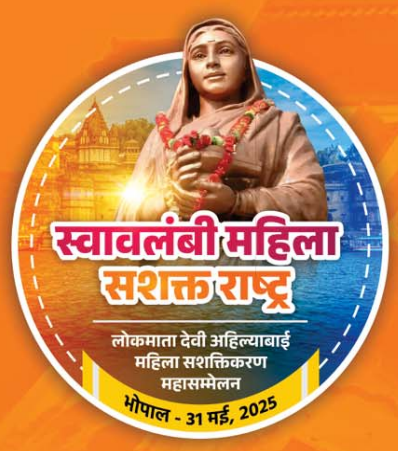

लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर

के 300वें जन्म जयंती वर्ष के अवसर पर

महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन

एवं

'राष्ट्रीय देवी अहिल्या सम्मान' अलंकरण

लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर को समर्पित डाक टिकट और सिक्का जारी

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

दतिया एवं सतना एयरपोर्ट का लोकार्पण एवं इंदौर मेट्रो का शुभारंभ

(गांधीनगर मेट्रो स्टेशन से सुपर कॉरिडोर 03 तक)

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

₹483 करोड़ लागत के 1271 नये अटल ग्राम सेवा सदन (पंचायत भवन) की प्रथम किस्त का अंतरण

— प्रधानमंत्री —

नरेन्द्र मोदी

के कर-कमलों द्वारा (वर्चुअल माध्यम से)

— गरिमामयी उपस्थिति —

मंगुभाई पटेल
राज्यपाल, मध्यप्रदेश

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

31 मई, 2025 | पूर्वाह्न 11:00 बजे | जम्बूरी मैदान, भोपाल

नारी सशक्तिकरण में अग्रणी मध्यप्रदेश

- सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के उद्देश्य से देवी अहिल्या नारी सशक्तिकरण मिशन प्रारंभ
- शासकीय सेवा में महिलाओं के लिए आरक्षण को बढ़ाकर 35% तक किया
- 5 लाख स्व-सहायता समूहों से 62 लाख ग्रामीण बहनें हुईं आत्मनिर्भर
- प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना में 89 लाख बहनों को मिली धुएं से मुक्ति

बेहतर होतीं वायु सेवाएं

- ₹ 60 करोड़ की लागत से 124 एकड़ में दतिया एयरपोर्ट एवं ₹ 37 करोड़ की लागत से सतना एयरपोर्ट का निर्माण संपन्न
- हवाई सुविधा से धार्मिक पर्यटन के साथ औद्योगिक विस्तार को मिलेगा बढ़ावा
- यात्रियों को मां पीतांबरा पीठ, मां शारदा और चित्रकूट धाम तक की हवाई सुविधा होगी उपलब्ध
- प्रदेश एवं प्रदेश के बाहर के गंतव्यों तक कनेक्टिविटी होगी बेहतर

इंदौर को मेट्रो रेल की सौगात

- ₹ 1520 करोड़ लागत की यलो लाइन मेट्रो 6 कि.मी. लंबे रूट पर चलेगी
- आधुनिक, सुगम और पर्यावरण अनुकूल परिवहन सुविधा मिलेगी
- प्रति ट्रेन 900 से अधिक यात्री क्षमता के साथ लिफ्ट, एस्केलेटर, AI आधारित ट्रैकिंग एवं QR आधारित टिकटिंग प्रणाली से स्मार्ट होगा सफर

पंचायतों को स्थायी भवन

- प्रदेश भर में 1271 नये अटल ग्राम सेवा सदनों के निर्माण से ग्राम पंचायतों को स्थायी भवन की सुविधा के साथ प्रशासनिक कार्य करने, बैठकें आयोजित करने एवं रिकॉर्ड प्रबंधन में सहायता मिलेगी

D-11033/25

सीधा प्रसारण | DD News | Webcast.gov.in/mp/cmevents | @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh | @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP | JansamparkMP | #AhilyaBaiHolkarAt300

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी